RNI NO: UPHIN2023/88802

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित

भारत का बदलता शासन

हर सच की पहचान...

वर्ष-02, अंक-202, गाजियाबाद, गुरूवार, 08.05.2025 पृष्ठ-08, मूल्य-3/-

8527848454

सूर्योदय 05 : 35 | सूर्यास्त 07 : 00

आज का तापमान °C 34/24

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) - 109

आज का विचार

"सहनशील होना अच्छी बात है.. पर अन्याय का विरोध करना उससे भी उत्तम है..!!"

follow X - @Bharatkbs

शेयर मार्केट

SENSEX 80,746.78

NIFTY 24,414.40

सर्राफा बाजार

सोना प्रति 10 ग्राम 99,150/-

चांदी प्रति किलो ग्राम 99,000/-

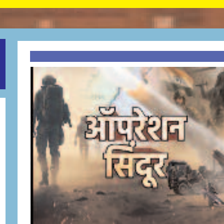

पहलगाम के पीड़ितों को मिली सच्ची श्रद्धांजलि

follow X - @Bharatkbs Page- 3

ऑपरेशन सिंदूर

भारत का बदलता शासन

follow X - @Bharatkbs

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिनों के भीतर ही भारतीय सेना ने पाकिस्तान सीमा में घुसकर 90 से ज्यादा आतंकियों को मारकर इसका बदला लिया। ठीक आधी रात के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सीमा के भीतर घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। आतंकी हमले के बाद बीती रात भारतीय सेना ने पाक को कड़ा सबक सिखाया है। भारतीय सेना ने पीओके में जैश और हिजबुल के आतंकी शिविरों पर हमला किया है।

इस ऑपरेशन सिंदूर के कुछ समय बाद सरकार की ओर से तस्वीरें भी साझा की गई हैं और स्पष्ट किया गया है कि हमले में किसी भी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया। वही, भारत की ओर से कहा गया कि भारत ने अपने अधिकार का उपयोग किया है और आतंकियों का सफाया किया गया है।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि भारत ने पहलगाम जैसे सीमा पार हमलों का जवाब देने, उन्हें रोकने और रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया है। भारत ने कहा कि हमारा पूरा फोकस आतंकी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवादियों निष्क्रिय करने पर है।

भारत ने लिया पहलगाम हमले का बदला

पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों पर हमला, 100 से ज्यादा आतंकी ढ़ेर

पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद किया अटैक

ऑपरेशन सिंदूर के अंजाम देने के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान पल्ला झाड़ने और आरोप लगाने में ही व्यस्त रहा है। पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में हमें सूचना मिली कि आतंकी और हमले कर सकते हैं, ऐसे में इन्हें रोकना जरूरी था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के जवानों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है।

पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद यानी बीती रात ये अटैक किया गया, जिसमें लगभग एक सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी ने तीनों सेनाओं के चीफ के साथ कई बैठक की थी। इन गुप्त बैठकों में पीएम मोदी ने साफ संदेश दिया था कि पहलगाम हमले में आतंकियों ने हमारी कई महिलाओं को विधवा किया और पुरुषों को मारकर सिंधूर हटाया है। हमें इसका जवाब देते हुए बड़ी कार्रवाई करनी है। पीएम ने इसी कारण इस सैन्य ऑपरेशन का नाम मिशन सिंदूर रखा था।

	ठिकाना	आतंकी संगठन
1	मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर	जैश-ए-मोहम्मद
2	मरकज तैयबा, मुरीदके	लश्कर-ए-तैयबा
3	सरजल, तेहरा कलां	जैश-ए-मोहम्मद
4	महमूना जोया, सियालकोट	हिजबुल मुजाहिदीन
5	मरकज अहले हदीस, बरनाला	लश्कर-ए-तैयबा
6	मरकज अब्बास, कोटली	जैश-ए-मोहम्मद
7	मस्कर राहील शाहिद, कोटली	हिजबुल मुजाहिदीन
8	शवाई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद	लश्कर-ए-तैयबा
9	सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद	जैश-ए-मोहम्मद

नौ आतंकी ठिकानों को किया ध्वस्त

सरकार और सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में भारतीय सशस्त्र बलों की स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर रात एक बजकर पांच मिनट और एक बजकर 30 मिनट के बीच चलाया गया। इस दौरान आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने पाकिस्तान के 100 किलोमीटर अंदर मिसाइल हमले किए और नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। भारत की स्ट्राइक की जद में पीओके में पांच और पाकिस्तान में चार आतंकी ठिकाने आए।

पीएम मोदी ने तीन देशों की यात्रा रद की

भारतीय सेना की तरफ से पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर हमले यानि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा फैसला लिया है। पीएम मोदी ने अपनी तीन देशों की यात्रा रद कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे, क्रोएशिया और नीदरलैंड की यानी तीन देशों की यात्रा फिलहाल रद हो गई है। मोदी 13 से 17 मई तक क्रोएशिया, नॉर्वे और नीदरलैंड की यात्रा पर जाने वाले थे। प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नॉर्डिक शिखर जाने वाले थे।

पूरे देश के लिए गर्व का पल- पीएम मोदी

पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने पहला बयान दिया है. उन्होंने भारत की तीनों सेनाओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने बेहतरीन काम किया है. पूरे देश को उनपर गर्व है.

भारत की ओर से... करारा जवाब- अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एयर स्ट्राइक पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है। अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से उन लोगों को करारा जवाब है, जो हमारी सीमाओं, सेना और नागरिकों को चुनौती देने की हिम्मत करते हैं।

हनुमान जी के आदर्शों का पालन किया- राजनाथ सिंह

हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया- जिन्ह मोहि मारा, ते मैं मारे। हमने केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। भारतीय सेना के जवानों के सम्मान में भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय सेना ने हम सभी का मस्तक ऊंचा कर दिया।

जिन्होंने भारत की बहन बेटियों का सिंदूर छिनने की कोशिश की

उन्हें अपना खानदान खोना पड़ा : योगी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों को करारा जवाब है। जिन्होंने भारत की बहन बेटियों का सिंदूर छिनने की कोशिश की, उन्हें अपना खानदान खोना पड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में मॉकड्रिल कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लेते हुए ये बातें कहीं। सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की सेना की बहन-बेटियों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। सेना के पराक्रम को जनता का भी पूरा समर्थन है। उन्होंने पहलगाम हमले पर सेना की कार्रवाई को निर्णायक बताया। सीएम बोले, देश की आन बान और शान के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने देंगे। देश सर्वप्रथम है। भारत माता के खिलाफ जिन्होंने साजिश रची है उन्हें इसका परिणाम भुगतना होगा।

सर्वप्रथम देश, फिर कुछ और, सीएम योगी ने दिया स्पष्ट संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत माता के खिलाफ जो भी साजिश रचेगा, उसे परिणाम भुगतना होगा। सेना की कार्रवाई का पूर्ण समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि गांव, शहर और मोहल्लों में जब भी सुरक्षा से जुड़ा मामला सामने आएगा, तब सबसे पहले देश की चिंता की जाएगी।

आपात स्थिति में नागरिकों को निभाने होंगे अपने कर्तव्य : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल एनसीसी, होमगार्ड या स्काउट नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी सुरक्षा एजेंसियों के साथ जुड़ना होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को समझें और देश की सुरक्षा में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री ने जताया आभार और संवेदना

मुख्यमंत्री योगी ने पहलगाम की आतंकी घटना के जवाब में की गई सैन्य कार्रवाई के लिए तीनों सेनाओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडल को उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से बधाई दी। उन्होंने पहलगाम में शहीद हुए लोगों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए मॉक ड्रिल का महत्व

सीएम योगी ने नागरिक सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों के साथ व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर उनकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉक ड्रिल्स से आम जनता को आपात स्थितियों में सही कदम उठाने की जानकारी मिलती है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

लखनऊ में मॉक ड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त प्रदर्शन

लखनऊ के रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित मॉक ड्रिल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारत माता के जयकारों से शुरूआत की। एनडीआरएफ द्वारा जैसे ही मॉक ड्रिल शुरू की गई, सायरन बजने लगा। दुश्मन की एयर स्ट्राइक से बचने के लिए ब्लैकआउट किया गया, नागरिकों ने सुरक्षित स्थानों की शरण ली।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और मेडिकल टीमों ने दिखाई तत्परता

दूसरे सायरन के साथ जब खतरा समाप्त हुआ, तब घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। फायर, चिकित्सा कर्मियों और रेस्क्यू टीमों ने घायलों की मदद की। नागरिकों को ध्वस्त ढांचे से बचाने और केमिकल हमले से निपटने के उपाय भी सिखाए गए।

इस अवसर पर सीएम योगी के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश, कमिश्नर लखनऊ अमरेंद्र सिंह सेंगर, लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी समेत अन्य अफसर मौजूद थे।

क्या है दुनिया के देशों की प्रतिक्रिया?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीति से भरी प्रतिक्रिया दी। उन्होने कहा, रक्षा मंत्री के बयान से संकेत मिल रहे थे कि उन्हें इसका पूर्वानुमान था। उन्होंने इसे शर्मनाक बताया और दोनों देशों में तनाव जल्द खत्म होने की उम्मीद जताई। अमेरिका के एनएसए और विदेश सचिव मार्को रूबियो ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों से बात की।

उन्होंने दोनों देशों के एनएसए से संवाद बनाए रखने और तनाव को आगे न बढ़ने देने की अपील की। तुर्की और चीन को भारतीय सैन्य बलों की यह कार्रवाई ठीक नहीं लगी। दोनों देशों की तरफ से प्रतिक्रिया की टोन अच्छी नहीं है। भारत ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए इस मामले में बेहद सतर्क, सावधानी से भरा और कूटनीतिक तरीका अपना रखा है। विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री अपने समकक्षों से संपर्क करके इसे भारत की आत्मरक्षा में की गई सीमित, संतुलित, सटीक और आवश्यक कार्रवाई बता रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस तमाम देशों के समकक्षों को इससे अवगत करा रहे हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी और दर्जन भर से अधिक अस्थाई सदस्यों तथा अन्य को इससे अवगत कराया है।

कैसे कामयाब है भारत और क्या है आगे की कोशिश?

सैन्य बलों, सामरिक रणनीतिकारों और सुरक्षा तथा खुफिया एजेंसियों के बेहतर तालमेल ने बड़ी कुशलता से भारत की कामयाबी तय की है। सेना मुख्यालय के सूत्र से मिली जानकारी के मुताबिक सटीक सूचना के आधार पर बड़ी सटीकता से बहुत कम समय में घातक प्रहार ने सभी लक्ष्यों को हासिल कर लिया है। इसके लिए इस बार भारतीय वायु सेना ने भारतीय वायुक्षेत्र को नहीं लांघा। सूचना है कि वायु सेना के लड़ाकू विमानों से दागी गई मिसाइल और ड्रोन ने इस लक्ष्य को हासिल किया। इस घातक तैयारी के जवाब में पाकिस्तान के पास हाथ मलने के सिवा कोई चारा नहीं था। इधर सैन्य बल विक्ट्री साइन की तरफ बढ़ रहे थे और उधर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दुनिया को जवाब देने के लिए कुशलता से कूटनीतिक लाइन तैयार कर ली थी। भारत का इस बारे में साफ कहना है कि उसका लक्ष्य केवल आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई है। उसके सैन्य बलों की कार्रवाई से न तो पाकिस्तान के आम नागरिक निशाना बने, न ही सैन्य शिविर। न ही भारत की ऐसी कोई मंशा थी। भारत ने यह कार्रवाई अपनी आत्मरक्षा में सटीक सूचना के आधार पर आतंकी संगठनों के ठिकानों पर की है। भारत को अपनी आत्मरक्षा का अधिकार है। इस तरह से भारत ने दुनिया को संदेश दिया है कि पाकिस्तान की जमीन आतंकवाद का संरक्षण स्वीकार्य नहीं है। भारत की कोशिश है कि अंतरराष्ट्रीय मंच इसे अपना समर्थन दें और भारत का इरादा पाकिस्तान से तनाव बढ़ाने, युद्ध की भूमिका में जाने का नहीं है। भारत शांति, सौहार्द का पक्षधर है, लेकिन उकसावे की कार्रवाई हुई तो वह उसका करारा जवाब देने के लिए तैयार है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अलर्ट मोड पर सेना

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के तबाह होने के बाद से ही पड़ोसी मुल्क घबराया हुआ है। पाकिस्तान द्वारा संभावित दुस्साहस को देखते हुए सेना और सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

भारतीय सेना पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रख रही है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना की कार्रवाइयों पर लोकल फॉर्मेशन के साथ लगातार संपर्क में हैं।

भारत की तरफ से की गई एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने पुंछ और तंगधार में नागरिक क्षेत्रों पर गोलाबारी की और पंद्रह निर्दोष नागरिकों को मार डाला, जबकि 43 अन्य घायल हो गए। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी सीमावर्ती क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति पर अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक की थी।

पुंछ और तंगधार में पाकिस्तानी सेना द्वारा तोपों के इस्तेमाल का उचित जवाब देने के लिए सुरक्षा बलों को खुली छूट दी गई है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान से आए आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मार दी थी।

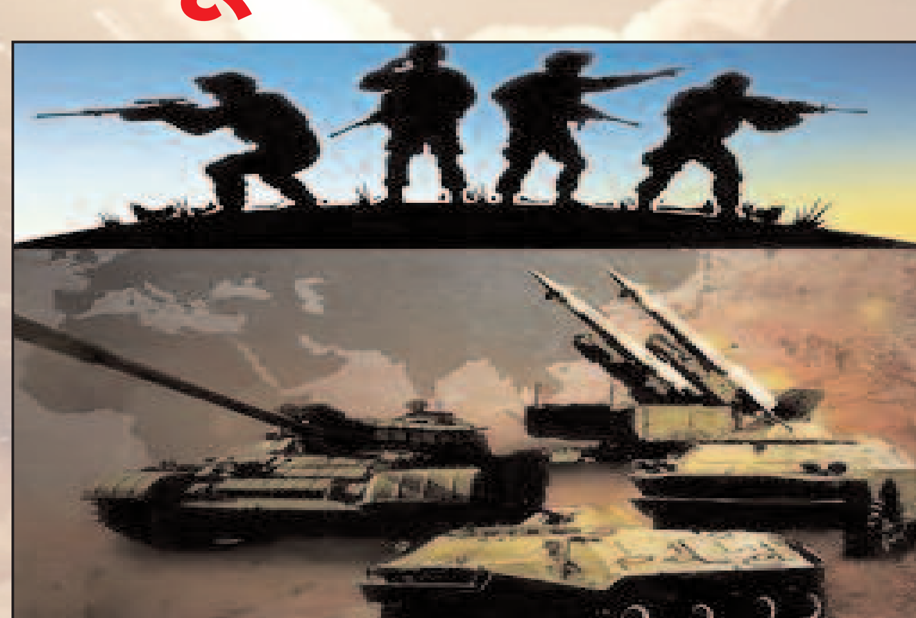

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एयरपोर्ट बंद, कैंसिल कर दी गई फ्लाइट

नई दिल्ली। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का असर देश के कम से कम 18 एयरपोर्ट पर देखने को मिला। बुधवार को देश के उत्तरी व पश्चिमी हिस्से के डेढ़ दर्जन एयरपोर्ट बंद रहे और इन वजहों से 200 से अधिक फ्लाइट रद हो गई। एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइस जेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, आकासा एयर के साथ कई विदेशी एयरलाइंस की फ्लाइट रद रही। अकेले इंडिगो की 165 फ्लाइट रद बताई गई। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमलों के मद्देनजर कुछ एयरस्पेस के इस्तेमाल पर पाबंदी से श्रीनगर, लेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला व जामनगर जैसे एयरपोर्ट बंद रहे। इंडिगो के मुताबिक एयरस्पेस पाबंदी की वजह से श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर जैसे एयरपोर्ट से विमान का आना और जाना दोनों ही बंद रहा। इंडिगो के मुताबिक फ्लाइट रद होने से प्रभावित यात्री अपनी यात्रा आगे बढ़ा सकते हैं या फिर वे टिकट को रद कर सकते हैं।

हमें भारतीय सेना पर गर्व है

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारतवासियों ने दी प्रतिक्रियाएं...

घर के अंदर घुस के मारेंगे

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

ऑपरेशन सिंदूर आज उस मां को ठंडक मिली होगी जिसका बेटा कुछ दिनों पहले आतंकवादियों ने बहुत बेरहमी से अंधाधुंध फायरिंग करके मार दिया था उस बहन को इंसाफ मिला जिस के आंसू उसे दिन से नहीं रुक रहे थे जिसका पति उसके सामने सिर्फ धर्म और नाम पूछ कर मार दिया था आतंकवादियों को समझना चाहिए कि यह अब 2025 का भारत है अब कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी घर के अंदर घुस के मारेंगे

कंवलजीत सिंह

भारत द्वारा आतंकवाद पर किया गया ऑपरेशन सिंदूर मिशन

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा उठाया गया साहसी कदम है। यह कदम उठाना बहुत ही आवश्यक था बार-बार आतंकवादी गतिविधियों द्वारा भारत के निर्दोष सैनिकों और आम जनता को निशाना बनाते रहना इसके लिए पाकिस्तान को सबक सिखाना बहुत ही आवश्यक था। पाकिस्तान में आतंकवादियों का सफाया कर मिशन सिंदूर द्वारा पूरे विश्व में तारीफ काबिल है हम इस मिशन का पुरजोर समर्थन करते हैं जय हिंद।

डॉ. राजीव त्यागी 'राज'
सामाजिक कार्यकर्ता, तुलसीपुरुष, तुलसीऋषि, शिक्षाविद, संस्थापक- सामाजिक कार्यों में अग्रणी सामाजिक संस्था- मानवता की ओर एक कदम ट्रस्ट

अपनी सेना... पर गर्व है

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

एक भारतीय होने के नाते मुझे अपनी सेना की वीरता, शौर्यता, पराक्रम ,अदम्य साहस, अनुशासन और सतर्कता पर गर्व है जिस अनुशासन से भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकाने नेस्तनाबूद किए है उसके देखकर पूरा विश्व आश्चर्यचकित है भारतीय सेना ने अपने दुश्मनों को संदेश दिया है कि हम हमेशा से शांति प्रिय देश है लेकिन जब बात हमारे तिरंगे की आन बान शान की आती है तो हम दुश्मनों को जवाब उनके घर में घुसकर देते हैं । भारतीय सेना जिंदाबाद

विवेक त्यागी
गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन

यह नया भारत है ...

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

आज का भारत एक सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक मंच पर प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराने वाला राष्ट्र बन चुका है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को आत्मसात करने वाला यह देश, सभी का सम्मान करता है पर जब कोई उसकी संप्रभुता और आत्मा को चुनौती देता है, तो वह मुँहतोड़ जवाब देना भी जानता है। कुछ आततायी अपनी सीमाएं लांघ चुके हैं और अब अपने अंत की ओर बढ़ रहे हैं। जब तुम्हें चोट पहुँची, तो तुम्हें दर्द हुआ, उतना ही दर्द उन निर्दोष भारतीय परिवारों को भी हुआ, जिन्होंने अपने सपूत खोए हैं। तुमने अब तक भारत के वीर सपूतों को पहचाना नहीं है। भीख के पैसों पर पलने वाले धर्मांध लोगों को कई बार सुधरने का अवसर दिया गया, लेकिन जब तुम नहीं सुधरे, तो अब परिणाम भुगतने ही होंगे। यह नया भारत है यह न किसी को छेड़ता है, और न ही किसी को छोड़ता है।

डॉ अमित कुमार पांडेय
(प्रोफेसर) आई. एम. एस. गाजियाबाद

मोदी को बता दिया

एक भारतीय स्त्री की आवाज

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

मोदी को बता देना..ये शब्द उस आतंकवादी ने कहे थे, जिसने एक औरत के सामने उसके पति को बेरहमी से मार डाला था। उसके हाथ खून से सने थे, पर उसकी आंखों में डर नहीं, घिन थी - और दर्द से टूटी वो औरत बस चीख पाई थी।
कल भारत की सेना ने बिना शोर किए, बिना किसी शर्त के, उसी लहजे में जवाब दिया। मोदी को बता दिया - पर अब दुश्मनों को।
प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वो इस देश के हर उस परिवार का हिस्सा हैं जिसने बेटा, पति, भाई खोया है। उन्होंने कोई भाषण नहीं दिया, कोई गुस्से भरा ट्वीट नहीं किया - पर उनके सैनिकों ने जमीन पर वो कहा जो शब्द नहीं कह सकते।
आज हम औरतें, जो सहती हैं, जो सहनशील कही जाती हैं - आज हम भी कहती हैं:अब बस बहुत हुआ। हम शांति चाहते हैं, पर कमजोरी नहीं। हम प्रेम में विश्वास रखते हैं, पर पीड़ा की भाषा अब हम नहीं बोलेंगे। जवाब मिला है, और साफ मिला है।
मोदी को बता देना? अब हम कहते हैं - हां, बता दिया।

डॉ. पारुल अग्रवाल

सशस्त्र बलों की सराहना काबिले तारीफ

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 14 दिन बाद भारत ने आतंक के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में बड़ी कार्रवाई की ऑपरेशन सिंदूर सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया सफल ऑपरेशन के लिए सशस्त्र बलों की सराहना काबिले तारीफ है । पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड रहा है सीमा पार से घुसपैठ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आतंकी ठिकानों और शिविरों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले को सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ यह एक कड़ा संदेश है। समस्त सेना बल एवं माननिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र जी का धन्यवाद` आज सही मायने मे पहलगाम में हुए आतंकी हमले मे जान गवाने वाले मासुमो को श्रद्धाजली पहूँची है

शैली,संस्थापिका,महिला प्रशिक्षण संस्थान

हमें गर्व है भारतीय सेना पर

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में हमारे निर्दोष भाइयों की निर्मम हत्या के प्रति भारत की प्रतिक्रिया है। यह कहते हुए राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्ष रश्मि चौधरी ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके लोगों पर किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और पीओके से जुड़े सभी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक अडिग राष्ट्रीय नीति रही है। हमें अपने भारतीय सशस्त्र बलों पर बहुत गर्व है, जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। हम उनके दृढ़ संकल्प और साहस की सराहना करते हैं। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को बखूबी अंजाम दिया कि पाकिस्तान को उसकी भनक तक नहीं लग पाई। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने दिखा दिया है कि वह कितनी शक्तिशाली है और हर चुनौती से निपटने व उस पर विजय प्राप्त करने में पूरी तरह से सक्षम है। अगर अब भी पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया तो भारतीय सेना आतंकियों को ही नहीं पाकिस्तान को भी पल भर में ही मिट्टी में मिला देगी।

रश्मि चौधरी

ऑपरेशन सिंदूर ...ऐतिहासिक कदम

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सुरक्षा और स्वाभिमान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह न केवल हमारी सेनाओं की सामरिक क्षमता को दशार्ता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि भारत अब किसी भी आतंकवादी हमले को चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। 22 अप्रैल को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर जो बर्बर हमला हुआ, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। ऑपरेशन सिंदूर उस आक्रोश का जवाब है - एक निर्णायक, ठोस और साहसी जवाब। भारतीय वायुसेना ने जिस कुशलता और सटीकता से आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया, वह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। इस ऑपरेशन ने यह साबित कर दिया कि भारत की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को अब तुरंत और कठोर जवाब मिलेगा। यह केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट नीति की घोषणा है। राष्ट्रीय युवा चेतना मंच इस साहसिक अभियान का पूर्ण समर्थन करता है और देश के जवानों को सलाम करता है, जिन्होंने राष्ट्र के सम्मान की रक्षा की। हमें विश्वास है कि ऑपरेशन सिंदूर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बनेगा और यह संदेश देगा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन कायरता नहीं।

महेश मिश्रा
राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय युवा चेतना मंच, भारत
सचिव, फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रीक्ट वेलफेयर फोरम, नई दिल्ली

जिन्होंने धर्म पूछकर निदोर्षों को मारा था, उन्हें अपने कर्म तो भुगतने ही थे

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राज नगर निवासी, ए वी एस इन्फ्रा इंडिया के डायरेक्टर अमित सिंह ने कहा की यह मोदी का भारत है, जो ईट का जवाब पत्थर से देना जानता है। उन्होंने मोदी सरकार के फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा की आतंकियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर मारा था, अब उन्हें अपने कर्म भुगतने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह रक्षा सेनाओं द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए लक्षित हमलों का स्वागत करते हैं। पाकिस्तानी डीप स्टेट को ऐसी सख्त सीख दी जानी चाहिए कि फिर कभी दूसरा पहलगाम न हो। पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर देना चाहिए, तभी पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं रुकेंगी। उम्मीद है कि पाकिस्तान इससे सबक लेगा और अपने यहां पल रहे आतंकवादियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करेगा।

अमित सिंह

हमारी बहनें ही काफी है ...

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय महासचिव व अखिल भारतीय जाट महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण चौधरी भुल्लन ने बताया कि जब देश में कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर वियोमिका सिंह जैसी हमारी बहनें ही काफी है इन कायर आतंकवादियों के लिए । अरुण चौधरी ने कहा की पहल गांव में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए निर्देश लोगो की शहादत का बदला भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुस कर लिया है भारतीय वायु सेवा के बहादुर लड़कों ने पाकिस्तान और पीओके में घुसकर आतंकवादियों के 9 लॉन्चिंग पैड को ध्वस्त किया है । इस कार्रवाई से देश की जनता का भारत सरकार में विश्वास बढ़ा है । और हम सभी देशवासी भारत सरकार के हर निर्णय में उनके साथ है ।

अरुण चौधरी (भुल्लन)
क्षेत्रीय महासचिव राष्ट्रीय लोकदल,
जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय जाट महासभा ।

सिंदूर जो बहनो की मांग से गिरा भारत की सेना ने उसका बदला लेना शुरू किया हैं अपने कुछ दुश्मनों को जहन्नुम पहुँचा दिया शुरूआत आप ने की खत्म अब हिंदुस्तान करेगा. जय हिंद जय हिंद की सेना

साजन बालियांन

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सेवा के शौर्य पराक्रम और भारत के नेतृत्व की मजबूती का परिचायक है ऐसा ऑपरेशन मुंबई हमलों के समय ही हो जाता तो उसके बाद पहलगाम पुलवामा उड़ी जैसे हमले कदापि न कर पाता पाकिस्तान का नापाक आतंकिस्तान

वीरेंद्र कुमार कंडेरे

मिट्टी में मिलाकर बदला लिया

@Bharatkbs

आज भारत सरकार के द्वारा पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के ठिकानों पर सिंदूर ऑपरेशन चलाया गया सरकार ने यह बहुत सोच समझ के साथ निर्णय लिया कि आतंकवादियों को खत्म किया और जिन आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाया था आज सिंदूर ऑपरेशन के द्वारा उनको मिट्टी में मिलाकर बदला लिया गया मैं विनोद कुमार त्यागी समाजसेवी भारत सरकार के सराहनीय कार्य की प्रशंसा करता हूं भारत माता की जय

विनोद त्यागी

भारतीय शौर्य को नमन

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

6 मई की रात्रि को भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत कश्मीर में आतंक के ठिकानों पर पाकिस्तान मे अंदर घुसकर 9 जगह की गई एयर स्ट्राइक की बधाई देता हूं मैं पंडित अशोक भारतीय देश की सेना तथा देश के प्रधानमंत्री देश के रक्षा मंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी व राजनाथ सिंह जी को बधाई देता हू लश्कर व जैश ए मोहम्मद के ठिकाने ध्वस्त करने पर भारतीय शौर्य को नमन करता हूं तथा देश की जनता से आपदा की स्थिति में सेना का सहयोग करने की प्रार्थना करता हूं तथा विपक्ष से भी अपील करता हूं कि पाकिस्तानी प्रवक्ताओं के रूप में बयान बाजी बंद करें सेना का मनोबल बढ़ाने का काम करें धर्म के आधार पर पहलगाम में 22 अप्रैल को निहत्थे टूरिस्ट पर पापिस्तान समर्थित आतंकियो द्वारा नरसंहार भारत मां पर हमले जैसा था ऐसे घिनोने हत्याकांड को जिसमें पेंट उतरवा कर मजहब देखकर दिनदहाड़े सरेआम हत्या की गई यह अति निंदनीय है मैं पंडित अशोक भारतीय कठोर शब्दों में इसकी निंदा करता हूं आतंकियो तथा नापाक पाकिस्तान को सबक सिखाने की भारत सरकार अनवरत कोशिश पर वही तुर्की जहां पर आपदा आने पर भारत सरकार ने सबसे पहले बचाव दल भेजा तथा राहत सामग्री भेजी थी भारत की जनता व सरकार के एहसान को भुलाकर मानवता को कलंकित करते हुए आतंकी लड़ाई में भारत के खिलाफ सबसे पहले पाकिस्तान में युद्ध सामग्री भेजकर सांप को दूध पिलाने का कुकृत्य किया है मैं पंडित अशोक भारतीय विश्व के सभी देशों से ऐसे अहसान फरामोश तुर्की को बेनकाब करने की प्रार्थना करता हूं जिससे भविष्य में सभी को सबक मिल सके तथा मैं पंडित अशोक भारतीय भारत सरकार से भारतीय जवानों से अपील करता हूं पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का सफाई करें तथा पी ओ के को भारत में मिला लें जिससे भविष्य में विश्व में आतंकी घटनाओं पर रोक लग सके वरना हर एक देश आतंक से कर रहा उठेगा मानवता मर जाएगी यह निहायत आवश्यक है इसके लिए देश की जनता हर सम्भव बलिदान के लिए तैयार है भारत माता की जय वंदे मातरम भारतीय सेना की जय हिंद जय भारत

पंडित अशोक भारतीय

पहलगाम के पीड़ितों को मिली सच्ची श्रद्धांजलि

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी निवासी एवं राष्ट्रीय सैनिक संस्थान के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल का कहना है कि उन्हें भारतीय सेना के शौर्य और साहस पर गर्व है। पहलगाम हमले का बदला जिस तरह भारत की सेना ने लिया है,वह स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाना जरूरी था। भारतीय सेना ने वही सबक सिखाया है। यह ऑपरेशन उन निर्दोष लोगों को सच्ची श्रद्धांजलि है जिन्होंने 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले में अपनी जान गंवाई थी। भारतीय विमान व भारतीय सेना के जवान ऑपरेशन को अंजाम देकर सकुशल वापस लौट आए और पाकिस्तान को पता भी नहीं लगने दिया। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने दिखा दिया है कि वह कितनी शक्तिशाली है और हर चुनौती से निपटने व उस पर विजय प्राप्त करने में पूरी तरह से सक्षम है।

गौरव बंसल

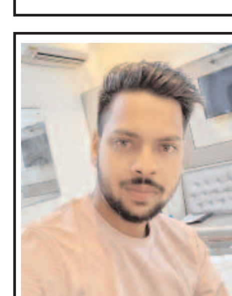

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सेवा के शौर्य पराक्रम और भारत के नेतृत्व की मजबूती का परिचायक है ऐसा ऑपरेशन मुंबई हमलों के समय ही हो जाता तो उसके बाद पहलगाम पुलवामा उड़ी जैसे हमले कदापि न कर पाता पाकिस्तान का नापाक आतंकिस्तान

विशाल चौधरी (बस्ती)

घर में घुस के मारा है कब्र तुम्हारी खोदी है भारत की कुर्सी पर बैठा बाप तुम्हारा मोदी है

भारत का बदलता शासन @Bharatkbs

बीते 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले में जो हमारे देश के निर्दोष नागरिक मारे गए थे एवं घायल हुए थे उस दिन भारत देश का प्रत्येक नागरिक खून के आंसू रोया था आज ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारे मोदी जी के नेतृत्व मैं भारत सरकार द्वारा हमारे देश की सैनाओ का काम सच में काबिले तारीफ है आज पहलगाम आतंकी हमले का बदला पूरा हो गया है और ऑपरेशन सिंदूर बेहतरीन तरीके से सक्सेसफुल हुआ है आज पूरा देश खुश है यही पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिकों को सच्ची श्रद्धांजलि है अभी वक्त है पाकिस्तान अपनी दोगली हरकतों से तौबा कर लो वरना घर में घुस के मारा है कब्र तुम्हारी खोदी है भारत की कुर्सी पर बैठा बाप तुम्हारा मोदी है जय हिंद भारत माता की जय

अभिषेक पंडित समाजसेवी,
भाजपा युवा नेता व पूर्व प्रदेश प्रचारक

आपसी सौहार्द रखे बरकरार, माहौल खराब करने पर होगी कार्यवाही

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने भारत-पाकिस्तान के मध्य व्याप्त तनाव के मद्देनजर नागरिकों के साथ बैठक आहूत की है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से राष्ट्र की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा सैनिकों का मनोबल बढ़ाएं जाने की अपील की है। साथ ही, सोशल मीडिया पर माहौल खराब करने वाले आसामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाने की चेतावनी दी है।

मंगलवार रात्रि भारतीय सेना के द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई बमबारी के चलते भारत व पाकिस्तान के मध्य तनाव व्याप्त हो गया है, जिसके चलते प्रदेश में भी रेड अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने पुलिस महकमें को सुरक्षा एजेंसियों के साथ में सामंजस्य स्थापित करके राष्ट्रहित में कार्य करने एवं प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इसी के मद्देनजर बुधवार को कोतवाली प्रांगण में नगर एवं क्षेत्र के लोगो के साथ में बैठक आहूत की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से देश का प्रत्येक नागरिक आंतरिक पीड़ा महसूस कर रहा था। मंगलवार रात्रि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में संचालित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करके पहलगाम हमले का करारा जवाब दिया है। सेना की जवाबी कार्यवाही से भारत व पाकिस्तान के मध्य तनाव व्याप्त है। ऐसे में हम सभी ने राष्ट्र की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाएं रखना है। देश के सैनिकों का मनोबल बढ़ाना है तथा उनके परिवार का पूरा ख्याल रखना है। शासन द्वारा जारी निदेशों का पूरी आत्मीयता के साथ में अनुसरण करना है। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देकर आपसी सौहार्द व भाईचारे को बरकरार रखना है। उन्होंने कहा कि स्थानीय खुफिया विभाग व साइबर सेल की टीम सोशल मीडिया पर निरंतर निगरानी रखे हुए है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर अमर्यादित अथवा विवादित टिप्पणी करके माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अखलाक प्रधान, रविन्द्र ऊँचागांव, व्यापारी नेता प्रदीप गोयल, वरुण सिंघल, संजय राजवंशी, भाजपा नगराध्यक्ष अतुल मित्तल, रामकुमार सिंघल, अनिल गुप्ता, अहसान प्रधान, मेहरबान अंसारी, फैजान कुरैशी, अंकित गोयल आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रहित में सेना को हथियारों और गोला-बारूद की निर्बाध आपूर्ति के लिए सभी रक्षा कर्मी पूरी तरह से तैयार : अशोक सिंह

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पूरे देश में व्याप्त आक्रोश के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष अशोक सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नई दिल्ली में एक अहम मुलाकात करी। इस दौरान अशोक सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पीताम्बर वस्त्र ओढ़ाकर उनका अभिवादन किया। उन्होंने मानवता को शर्मशार करने वाले पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाने की वकालत करी। साथ ही उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पूरी तरह से आश्वस्त किया कि युद्ध और हर विषम परिस्थिति से निपटने के आयुध निर्माणियों के सभी रक्षा कर्मी पूरी तरह से तैयार हैं। युद्ध की स्थिति में सेना को गोला- बारूद और हथियारों की निर्बाध आपूर्ति करने में आयुध कर्मी किसी तरह की कोई कोर- कसर नहीं छोड़ेंगे। अशोक सिंह ने कहा कि पाकिस्तान से युद्ध की स्थिति में सभी रक्षा कर्मी पूरी तरह से सरकार के साथ खड़े हैं। सेना को हथियारों और गोला-बारूद की निर्बाध आपूर्ति में कहीं से कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। ओईएफ कानपुर किला मजदूर यूनियन के महामंत्री समीर बाजपेई ने बताया कि शिष्टाचार मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष अशोक सिंह ने रक्षा कर्मियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से चर्चा करने के साथ रक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने पर भी विचार विमर्श किया और अपने सुझाव दिए।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना को बधाई

हमें अपनी सेना के शौर्य और साहस पर गर्व - मोहित नागर

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

शिक्षाविद व समाजसेवी मोहित नागर ने सफल ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना को बधाई दी । और कहा सेना ने सफल ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष भारतीयों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। हमें अपनी सेना पर गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान को भारत ने करारा जवाब दिया हैं। उसे उसकी औकात बता दी है। यह आज का भारत हैं। इसे हल्के में ना लें , धर्म पूछ कर मारा था हम धर्म बताने आ गये, पाकिस्तान तेरी ही धरती पर हम तुझे मिटाने आ गये। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर हमला कर लगभग सैकड़ों आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया । भारत ने अपना दृष्टिकोण स्पष्ट कर दिया है पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब दिया जायेगा। आज का भारत हर चुनौती से निपटने को तैयार हैं। में अपनी भारतीय सेना के वीर जवानों को सफल ऑपरेशन की बहुत - बहुत बधाई देता हूं। भारतीय सेना को सलाम।

जय हिन्द जय भारत..

जातिगत जनगणना को लेकर खोड़ा में होगा संगोष्ठी कार्यक्रम, डॉ के लक्ष्मण और नरेंद्र कश्यप होंगे शामिल

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत में जातिगत जनगणना कराए जाने का फैसला लिया गया। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी इसको लेकर अभियान शुरू कर चुकी है। इसी कड़ी में 8 मई को खोड़ा कॉलोनी में संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाजपा राज्यसभा सांसद एवं ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण जी और ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप उपस्थित होंगे। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के कई अन्य जनप्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में सहभाग करेंगे। इस कार्यक्रम का मकसद लोगों को जातिगत जनगणना की उपलब्धि बताने के साथ ही आने वाले दिनों में ओबीसी समाज और पिछड़ों के लिए जो लाभ मिलना है इसकी जानकारी देना है। खोड़ा इलाके में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद व ओबीसी मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण जी व उत्तर प्रदेश सरकार व ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप व मयंक गोयल महानगर अध्यक्ष बतौर अतिथि उपस्थित होंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री और ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जो भी वादे किए गए वह समय-समय पर पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से राम मंदिर का निर्माण कराया गया, तो वहीं महाकुंभ का भी सफल आयोजन हुआ है। तो उन्होंने जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि यह भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा है कि खोड़ा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें संगोष्ठी कर उन्हें जातिगत जनगणना के फायदे बताए जाएंगे।

खोड़ा कॉलोनी अनिल विहार स्थित एसएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित भारत में जातिगत जनगणना संगोष्ठी कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के गाजियाबाद के स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। तो वहीं ओबीसी मोर्चा के प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यक्रम में अपने महत्वपूर्ण विचार भी व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सौरभ जायसवाल ने कहा है कि जातिगत जनगणना को लेकर भारतीय जनता पार्टी लगातार कार्यक्रम आयोजित करेगी और इसी क्रम में पहले जश्न समारोह आयोजित किया गया था। तो अब संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कण्डेला में ग्राहक जागरूकता चौपाल का भव्य आयोजन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। गांव कण्डेला में ग्राहक चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान बैंक अधिकारियों द्वारा उत्तर-प्रदेश ग्रामीण बैंक के इतिहास, उपलब्धियों एवं सेवाओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया।

बुधवार को ब्लॉक क्षेत्र के गांव कण्डेला में ईशम सिंह व इलम सिंह के संयुक्त आवास परिसर में ग्राहक जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उत्तर-प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा कण्डेला के नवनियुक्त वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ऋषिदीप ने की। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को बताया कि भारत सरकार के वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी करके बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यावर्त बैंक व प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक का नाम विलय के पश्चात परिवर्तित करके उत्तर-प्रदेश ग्रामीण बैंक कर दिया गया है। अब उत्तर-प्रदेश ग्रामीण बैंक प्रदेश में सबसे ज्यादा 4330 शाखाओं के साथ ग्राहकों को सेवा प्रदान करेगा। शाखा प्रबंधक ने उत्तर-प्रदेश ग्रामीण बैंक की स्थापना, इतिहास एवं उपलब्धियों का भी विस्तारपूर्वक बखान किया। वहीं, शाखा के फील्ड ऑफिसर आशीष कुमार ने कहा कि समामेलन के उपरांत उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा भविष्य में बेहतर ग्राहक सेवाएं उपलब्ध होगी। इस अवसर पर बैंक अधिकारी मीनाक्षी सिंगला, कार्यालय सहायक प्रभु राम, बीसी रामवीर सिंह व अंकुर तथा जगतसिंह, सतीश कुमार, मौसमी देवी, सेठपाल सिंह, मेजर चौहान, राजकुमार सिंह, सोनू चौहान, कमला देवी आदि उपभोक्ता उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस अभियान चलेगा 31 मई तक

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग पूरे प्रदेश में व्यापक फूड रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस अभियान चला रहा है। यह अभियान अप्रैल के पहले सप्ताह से चल रहा है, अभियान की अवधि को 31 मई तक बढ़ा दिया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी फूड रेस्टोरेंट, खाद्य व्यापारियों और संबंधित व्यवसायों को खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत रजिस्ट्रेशन और लाइसेंसिंग प्रक्रिया से जोड़ना है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकें। प्रदेश के सभी जनपदों के खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैंप लगा कर फूड रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस जारी कर रहे हैं। साथ ही उन्हें स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि वो सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में कोई भी फूड रेस्टोरेंट एवं व्यापारी बिना रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस के खाद्य कारोबार नहीं कर रहा है।

प्रदेश के सभी जनपदों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैंप लगा कर, चला रहे हैं रजिस्ट्रेशन अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के सभी जिलों के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में फूड रेस्टोरेंट एवं खाद्य व्यापार को खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत चलाने के स्पष्ट निर्देश दिये हैं। जिसके मुताबिक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग पूरे प्रदेश में खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, ये अभियान अप्रैल के पहले सप्ताह से एक माह के लिए शुरू किया था, वर्तमान में ये अभियान अब 31 मई तक चलेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी फूड रेस्टोरेंट संचालकों और कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। इसके बावजूद, कई छोटे-बड़े खाद्य व्यवसायी अभी तक इस प्रक्रिया से नहीं जुड़े हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए विभाग ने सभी जनपदों में विशेष कैंप आयोजित किए हैं, जहां खाद्य व्यापारी और रेस्टोरेंट संचालकों का रजिस्ट्रेशन कराने का अभियान चलाया जा रहा है। इन कैंपों में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीमें मौजूद रहकर फूड व्यवसायियों को त्वरित रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रदान कर रही हैं।

प्रदेश व्यापी फूड रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस अभियान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और अनियमितताओं पर लगाम लगाने के लिए चलाया जा रहा है। बिना लाइसेंस के संचालित होने वाले फूड रेस्टोरेंट व्यवसाय न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा हैं, बल्कि यह कानून का उल्लंघन भी है। अभियान के तहत छोटे ढाबों, रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े रेस्टोरेंट और खाद्य निर्माण इकाइयों तक सभी को शामिल किया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक हजारों की संख्या में नये खाद्य व्यवसायियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 30 मई के बाद बिना लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के खाद्य व्यवसाय संचालित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिये गये हैं। साथ ही प्रदेश के सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को ये सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये गये हैं कि उनके जनपद में कोई भी फूड रेस्टोरेंट या खाद्य कारोबारी सुरक्षा मानकों के तहत बिना लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन प्राप्त किये खाद्य पदार्थों का व्यापार न करे।

शुरूआत पाकिस्तान ने की थी, अंत हिंदुस्तान करेगा : जनरल वीके सिंह

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

मिजोरम के राज्यपाल एवं गाजियाबाद के पूर्व सांसद डॉ. जनरल वीके सिंह ने मंगलवार की देर रात पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना की पाकिस्तान में लक्षित स्थानों पर हुई कार्रवाई की तारीफ की, भारतीय सेना का उत्साह बढ़ाया और पाकिस्तान को चेतावनी दी। डॉ. जनरल वीके सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने नापाक आतंकवाद खत्म करने के उद्देश्य के साथ बुधवार की देर रात पाकिस्तान के 9 लक्षित आतंकियों के ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर हमला किया। भारतीय सेना की वीरता, साहस और प्रतीज्ञा से निकला ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम हमले में उजड़े सिंदूरों का बदला है। भारतीय सेना के वीर जवानों ने विशेष रूप से इस बात का भी ध्यान रखा कि इस कार्रवाई में किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया।

भारत ने पहलगाम में बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम दिखाया है। हमारी सेना हर तरीके से पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देने के लिए सक्षम है यह नया भारत है हम घर में घुसकर सबक सिखाने वाले लोग हैं। पाकिस्तान या तो अपनी हरकतों को ठीक कर लें नहीं तो इस जंग की शुरूआत तुमने हमारे निर्दोष लोगों की जान लेकर की है उसका अंत हिंदुस्तान पाकिस्तान को नक्शे से मिटाकर करेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के साहसी लोग धैर्य के साथ एकजुट होकर भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाएं क्योंकि हमें फिर से विश्व को दिखाना है भले ही हम अलग अगल भाषा, क्षेत्रों में बटें हैं लेकिन हम 140 करोड़ देशवासी केवल हिंदुस्तानी हैं।

वक्फ बिल को लेकर अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा ने की जन जागरण गोष्ठी

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

सीतापुर/ राकेश पाण्डेय। भारतीय जनता पार्टी द्वारा वक्फ कानून संशोधन बिल पास होने के उपरांत कानूनी जामा अख्तियार करने की जानकारी के लिए निरंतर जन जागरण किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिले के हरगांव विकास खण्ड हरगांव परिसर में वक्फ कानून की समुचित जानकारी हेतु जन सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र मंत्री अवधेश सिंह ने वक्फ बिल को लेकर भ्रमित मुस्लिम समुदाय के लोगों को बारीकी से समझाया। अवधेश सिंह ने कहा कि पहले वक्फ की आमदनी से किसी गरीब मुस्लिम समुदाय का फायदा नहीं होता था। केवल बिचौलियों का फायदा होता था। अब वक्फ संसोधन बिल 2025 गरीब मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए हितकर होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद(अवध क्षेत्र) के क्षेत्रीय मंत्री अवधेश सिंह,नगर पंचायत हरगांव चेयरमैन गफ्फार खां, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक सीतापुर समीर अहमद रिजवी, जिला मंत्री हरगांव प्रवासी सुनील मिश्रा उर्फ बब्बू भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री उदित बाजपेई वशीक खां मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा हरगांव,मंडल अध्यक्ष हरगांव संजय जायस वाल,भाजपा के सक्रिय कार्य कर्ता पप्पू गुप्ता रितेश सिंह गौड़, संजय दीक्षित संचालक हरगांव महामंत्री, सभासद मंसूर शेख शोयब खां आदि भारी संख्या में पार्टी के कार्य कर्ता मौजूद रहे।

पानी की टंकी बनी शोपीस

टोटी खोल कर निहार रहे ग्रामीण, कब आएगा पानी ?

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। जिले के विकास खंड सकरन की एक ग्राम पंचायत में सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए खर्च कर बनवाई गई पानी की टंकी केवल शोपीस बन कर रह गई है ग्रामीण लोग रोटी खोल कर देख रहे हैं कि कब पानी टोटी से निकलेगा।

जानकारी के अनुसार जिले के विकासखंड सकरन क्षेत्र के गांव किरतापुर में सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गई पानी टंकी शोपीस बनकर रह गई।उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने हर घर जल अभियान के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में पानी टंकी बनवाने व गांव के अंदर पाइप लाइन डलवाकर घर-घर स्वच्छ शुद्ध पानी की सप्लाई देने का निर्णय लिया। जल निगम के ठेकेदारों ने पानी की टंकी के निर्माण हेतु टेंडर प्रथा के माध्यम से काम तो ले लिया और ग्राम पंचायत में पानी टंकी का निर्माण भी करा दिया गांव के अंदर पाइपलाइन भी बिछआ दी गई घर घर टोटी भी लगा दी गई लेकिन लगभग एक साल हो रहा है ग्राम वासी निहार रहे हैं की कब टोटी से आएगा पानी।

लेकिन यह समस्या किसी एक ग्राम पंचायत की नहीं यह समस्या पूरे जनपद की है फिर भी प्रशासन की नजर अभी तक जल निगम के ठेकेदारों पर नहीं पड़ी। बात यहीं तक सीमित नहीं है जल निगम के ठेकेदारों ने ग्राम पंचायत के अंदर अच्छे-अच्छे रास्ते खुदवा कर पाइप लाइन तो डलवा दी लेकिन उन रास्तों को सही नहीं कराया वह रास्ते आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं इन ठेकेदारों ने योगी सरकार की छवि धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जल निगम के ठेकेदारों का अगर ऐसा ही रवैय्या रहा तो योगी सरकार के ग्राम पंचायतो का मॉडल रूप बनाने का सपना साकार होता नजर नहीं आयेगा।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस प्रकरण पर संज्ञान लेता है या मामले में लीपापोती करके यूं ही ठंडे बस्ते में डाल देता है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

अनशन पर बैठी महिला आवेदिका की बिगड़ी हालत

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। जिले में आंगनबाड़ी भर्ती में हुए महाघोटाले के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने विकास भवन परिसर में महिला आवेदिकाओं के साथ आमरण अनशन व भूख हड़ताल शुरू कर दिया है।भृष्टाचार के विरुद्ध यह धरना लगातार दूसरे दिन जारी रहा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से अब तक किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने धरना स्थल का संज्ञान लेना उचित नहीं समझा। धरने में शामिल चार महिला आवेदिकाओं में से ममता (पत्नी संदीप कुमार) की तबीयत अनशन के दूसरे दिन बिगड़ गई। वे बेहोश होकर धरना स्थल पर गिर पड़ीं, जिसके बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल, सीतापुर में भर्ती कराया गया।

चिकित्सकों ने उनकी हालत को गंभीर बताते हुए उन्हें तुरंत दवाएं दीं और व्रत तोड़ने की सलाह दी। डॉक्टर की सख़्त हिदायत पर ममता का मौन व्रत समाप्त करवाया गया।अनशन पर बैठे अन्य प्रतिभागियों में पुष्पेंद्र प्रताप सिंह,मोनिका सिंह, प्रीति देवी एवं सुनील कुमार की भूख हड़ताल अब भी जारी है।

इन सभी की मांग है कि आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में हुई भारी अनियमित ताओं और भृष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उनका आरोप है कि अपात्र अभ्यर्थियों को चयनित किया गया है जबकि पात्र उम्मीदवारों को न्याय नहीं मिला।

यह पहला अवसर नहीं है जब पुष्पेंद्र प्रताप सिंह और उनके साथियों ने भृष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई है। इससे पूर्व भी वे सत्रह अप्रैल को विकास भवन में आमरण अनशन पर बैठे थे, जिसे जिलाधिकारी द्वारा दिए गए लिखित आश्वासन के बाद समाप्त किया गया था।लेकिन प्रशासन द्वारा वादों पर अमल न किए जाने से निराश होकर उनके स्तर से पुनः आन्दोलन की राह पकड़ी गई।धरनारत कार्यकताओं ने स्पष्ट कहा है कि जब तक दोषियों पर कार्यवाही नहीं होती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अब तक की प्रशासनिक कार्रवाई केवल लीपा पोती तक सीमित है और भृष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों को संरक्षण दिया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर जनहित मुद्दे पर क्या रुख अपनाता है।

क्या पीड़ितों को न्याय मिलेगा या यह आंदोलन भी अन्य आंदोलनों की तरह आश्वासनों की बलि चढ़ जाएगा?

भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त, सशस्त्र सीमा बल ने चौकसी बढ़ाई

बगहा (एजेंसी)। बिहार में संभावित आतंकी हमले के इनपुट के बाद भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। बगहा के इंडो नेपाल–बॉर्डर वाल्मिकीनगर स्थित सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षाबलों की ओर से यात्रियों के सामानों की जांच भी विशेष मशीनों की मदद से की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि को पकड़ा जा सके। इतना ही नहीं एसएसबी के अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर निगरानी रखी जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है और खासकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के विशेष निर्देश जारी किए हैं। वाल्मिकीनगर सीमा पर हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : प्रशांत किशोर

पूर्णिया (एजेंसी)। भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सेना की कार्रवाई का पूरा देश समर्थन करता है, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। पूर्णिया में उद्घोष यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ सेना जो भी

कार्रवाई करती है, वह पूरी तरह उचित है। लेकिन इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसमें देश के नागरिकों और जवानों की जान दांव पर होती है। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार को आतंकवाद के खिलाफ कठोर और निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए ताकि यह समस्या दोबारा सिर न उठा सके। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियों को बिना किसी हस्तक्षेप के अपना काम करने देना चाहिए। प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि जन सुराज परिवार पूरी तरह से भारतीय सेना के साथ खड़ा है और प्रार्थना करता है कि किसी भी भारतीय नागरिक या जवान को किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचे। प्रशांत किशोर ने मीडिया से भी अपील की कि वह इस मुद्दे पर संयम बरते और इसे सनसनीखेज बनाने से बचे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद एक गंभीर चुनौती है और इसे केवल सेना और सुरक्षा एजेंसियों के अनुभव और विशेषज्ञता से ही निपटा जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं, जिसके बाद देशभर में उत्साह और जश्न का माहौल है। हालांकि, प्रशांत किशोर जैसे नेता इस पर राजनीतिक बयानबाजी से बचने और केवल सेना के समर्थन पर जोर दे रहे हैं।

कुत्तों का आतंक ! अब तक 250 लोगों को काटा, घर से निकलने से डर रहे लोग

फरीदाबाद (एजेंसी)। बल्लभगढ़ के पंजाबी मोहल्ले में आवारा कुत्तों का आतंक है यहां लोगों का घर से निकलना मुश्किल है। लोगों का कहना है कि सुबह–सुबह दो कुत्ते लगातार लोगों को काट रहे हैं जो भी गली में आता जाता है, उन पर हमला कर देते हैं। अब तक करीब 250 लोगों को यह कुत्ते काट चुके हैं। इस डर से लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं, जिन्हें जरूरी काम से बाहर जाना होता है तो वह डंडा लेकर निकलते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया सुबह–सुबह ही ये कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। पार्षद से इसकी शिकायत की थी, उन्होंने कहा कि वह बाहर हैं कुछ नहीं कर सकते। अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को काट चुके हैं। मोहल्ले की रहने वाली एक महिला ने बताया सुबह 8 बजे से ही मोहल्ले में दहशत का माहौल है। हर किसी के हाथ में डंडा रहता है कोई भी बाहर निकलने की हिम्मत नहीं कर रहा। बच्चे महिलाएं सब डरे हुए हैं। शिकायत के बाद भी नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा है। मोहल्ले के पार्षद भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

बम की धमकी के बाद इंडिगो के विमान की मुंबई में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ से उड़ान भरने वाले इंडिगो के एक विमान ने बम होने की धमकी मिलने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग की। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, हवाई अड्डे के हॉटलाइन नंबर पर मंगलवार को बम होने की धमकी वाला फोन आया था। मुंबई हवाई अड्डे के सूत्र ने बताया, ''इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई–6382 में बम होने संबंधी धमकी के कारण हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष ने मंगलवार को अपराह्न 2:32 बजे पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया।'' सूत्र ने विमान में मौजूद लोगों की संख्या का खुलासा किए बिना बताया कि विमान दोपहर 14.57 बजे सुरक्षित रूप से उतरा और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार जांच के लिए उसे एक अलग स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान की गहन जांच की गई लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

पिछले चार महीनो में 17 छात्रों की आत्महत्या

-सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रूख अख्तियार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की आत्महत्या के मामले में कडा रुख अख्तियार किया है। जनवरी 2025 से लेकर 5 मई के बीच में अभी तक 17 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है, क्या इन बच्चों की आत्महत्या के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पादरीवाला और आर महादेवन की संयुक्त पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को आदेश दिया है। वह आत्महत्या के मामलों से संबंधित पुलिस स्टेशन से जल्द से जल्द रिपोर्ट प्राप्त कर खंडपीठ को जानकारी दें। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आईआईटी खडगपुर और कोटा में नीट की तैयारी कर रही छात्रा द्वारा आत्महत्या के मामले में गंभीरता दिखाते हुए रजिस्ट्री को आदेश दिया है। आईआईटी खड़गपुर के तीसरे वर्ष के सिविल इंजीनियरिंग के छात्र मोहम्मद आसिफ द्वारा 4 मई को हॉस्टल के कमरे में फंदे पर लटक कर आत्महत्या की है।

चुनाव से पहले नितीश को याद आये बेरोजगार

– सत्तारूढ़ गठबंधन को अपनी साख बचाने की चुनौती

– युवाओं की नाराजगी को शांत करने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। बिहार में 2025 विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बेरोजगारों की याद आ गई है। मंगलवार को उन्होंने अपने आवास पर बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की और राज्य में 10 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ चुनावी वादा है या सरकार सच में युवाओं को रोजगार देने का इरादा रखती है?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बैठक में बीजेपी नेताओं से राज्य के विकास, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया उनके उस बयान ने, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य में 10 लाख नए रोजगार देगी। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब बिहार में चुनावी मौसम शुरू हो चुका है और

सत्तारूढ़ गठबंधन को अपनी साख बचाने की चुनौती है। बिहार में बेरोजगारी लंबे समय से एक गंभीर समस्या रही है। राज्य के लाखों युवा हर साल रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। ऐसे में चुनाव से ठीक पहले 10 लाख रोजगार का वादा करना नीतीश सरकार की युवाओं की नाराजगी को शांत करने की कोशिश मानी जा रही है।

यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने रोजगार देने का वादा किया है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भी नीतीश सरकार ने 19 लाख रोजगार देने का दावा किया था। लेकिन विपक्ष का आरोप है कि सरकार अपने पिछले वादों को पूरा करने में नाकाम रही है और अब चुनावी मौसम में फिर से पुराने वादों को दोहराया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी नेताओं से उनके मंत्रालयों के कामकाज की जानकारी ली और 'प्रगति यात्रा' के दौरान किए गए वादों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। हालांकि बैठक के बाद बीजेपी नेताओं ने मीडिया से कोई बयान नहीं दिया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह बैठक चुनावी रणनीति को लेकर थी।

क्या वादा सिर्फ चुनाव तक?

बिहार की जनता यह सवाल कर रही है कि क्या यह वादा सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहेगा या वाकई सरकार इसे पूरा करेगी? विपक्षी दल इसे चुनावी चाल बता रहे हैं, जबकि नीतीश सरकार इसे राज्य के विकास का हिस्सा कह रही है। अब देखना होगा कि नीतीश कुमार का यह वादा बिहार के युवाओं को कितना भरोसा दिला पाता है और चुनाव के नतीजों पर इसका क्या असर पड़ता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीजेपी को अपना नया बॉस चुनने में हो सकती है देरी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बीजेपी पार्टी को चुनाव के लिए बस हरी झंडी का इंतजार था। लेकिन अब पहलगाम आतंकी हमले और इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के बाद बनी परिस्थितियों में इसमें देरी हो सकती है।

बीजेपी संगठन चुनाव को लेकर स्थिति अभी कुछ साफ नहीं है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार जेपी नड्डा के बाद अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए सारी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। पार्टी ने अब तक 14 राज्यों में संगठन चुनाव पूरे कर लिए हैं और 13 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए नाम फाइनल हो चुका हैं।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए करीब 18 राज्यों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया का पूरा होना जरूरी है। जिन राज्यों में चुनाव हुए थे, वहां भी संगठन चुनाव की प्रक्रिया जोरों पर है। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में भी प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव अगले 15–20 दिनों में हो सकता है। पार्टी के मुताबिक नए अध्यक्ष को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के बावजूद संगठन के काम की रफ्तार तेज है। एक दिन पहले ही राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक कर पार्टी नेतृत्व ने कार्यक्रमों की समीक्षा की। दरअसल, बीजेपी ने बीते महीने से चार देशव्यापी अभियान शुरू किए थे। पार्टी के स्थापना दिवस पर एक हफ्ते का गांव चलो, बस्ती चलो अभियान की शुरुआत हुई थी। अभियान के तहत पार्टी के नेताओं ने देशभर के करीब ढाई लाख गांवों में करीब छह लाख बूथ तक पहुंचकर जनसंपर्क किए।

सरकार ने लागू की कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम, सड़क हादसे में घायल का होगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम 2025 की शुरुआत की है, जो 5 मई 2025 से पूरे देश में लागू हो चुकी है। इस योजना का उद्देश्य सड़क हादसों में घायल लोगों को तुरंत और बेहतर इलाज मुहैया कराना है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

जानकारी के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना का शिकार होता है, तो उसे 1.5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। यह इलाज पहले 7 दिनों तक किसी निर्धारित अस्पताल में कैशलेस इलाज कराया जा सकेगा। इसका मतलब है कि आपको न तो जेब से पैसे निकालने होंगे और न ही किसी बीमा या दस्तावेज की चिंता होगी। कोई भी व्यक्ति एक्सीडेंट का शिकार होता है, वह इस योजना के अंतर्गत आएगा। हादसा किसी भी राज्य या शहर में हुआ हो, पूरे भारत में यह योजना लागू होगी। इलाज सिर्फ डिजाइनेटेड हॉस्पिटल यानी सरकार द्वारा चुने गए अस्पतालों में ही होगा। अगर आप किसी अन्य अस्पताल में जाते हैं, तो वहां सिर्फ शुरुआती इलाज मिलेगा, जब तक कि आपको किसी डिजाइनेटेड अस्पताल में शिफ्ट नहीं किया जाता है।

योजना को नेशनल हेल्थ अथॉरिटी लागू कर रही है। राज्यों में यह काम स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल और स्टेट हेल्थ एजेंसीज देख रही हैं। पूरे सिस्टम की निगरानी के लिए 11 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जिसकी अध्यक्षता सड़क सचिव करेंगे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि 2023 में भारत में 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की जान गई। इनमें से कई मौतें समय पर इलाज न मिलने के कारण हुईं। सरकार इस योजना के जरिए यह तय करना चाहती है कि कोई भी घायल इलाज से वंचित न रह जाए। समय पर इलाज मिलने से हादसों में मौतें कम होंगी। गरीब या आम आदमी को बिल की चिंता किए बिना इलाज मिलेगा। अस्पतालों में इलाज की प्रक्रिया आसान और तेज होगी।

आज मालेगांव ब्लास्ट 2008 केस का फैसला, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अन्य आरोपियों की किस्मत का होगा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में 17 साल बाद आज गुरुवार को फैसला सुनाया जाएगा। मालेगांव में एक धार्मिक स्थल के बाहर हुए विस्फोट में छह लोगों की जान चली गई थी और 101 लोग घायल हुए थे। इस घटना के बाद पहली बार हिंदू आतंकवाद फैलाने के आरोप लगे थे। 19 अप्रैल को मुंबई सत्र न्यायालय में विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश एलके लाहोटी ने मामले की सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई-प्रोफाइल आरोपियों, बदली जांच एजेंसियों, बदले हुए जजों और प्रमुख गवाहों के दलबदल समेत इन तमाम घटनाक्रमों के कारण यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा है। आपको बता दें कि मालेगांव विस्फोट मामले में पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी उर्फ ??स्वामी अमृतानंद, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी पर हत्या, विस्फोटक अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, आतंकवाद निरोधक अधिनियम और यूएपीए से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि, आरोपी श्याम साहू, प्रवीण टकलकी, रामजी कालसंग्रा और संदीप डांगे फरार थे।

एटीएस से एनआईए तक जांच

मालेगांव विस्फोट मामले की प्रारंभिक जांच करने वाले आतंकवाद निरोधक दस्ते ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मकोका के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। ये सभी अभिनव भारत संगठन से जुड़े हैं और एटीएस ने आरोप लगाया था कि उन्होंने हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए भोसला मिलिट्री स्कूल में कुछ युवकों को हथियार और विस्फोटक का प्रशिक्षण दिया था। घटना की प्रारंभिक जांच तत्कालीन एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे के नेतृत्व में की गई थी, जिनकी 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मौत हो गई थी। इसमें एटीएस ने एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल की मालिक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया था, जिस पर बम रखा गया था। हमले की साजिश रचने के लिए कई जगहों पर बैठकें की गई थीं। एटीएस ने बैठक में मौजूद सभी लोगों को हिरासत में लिया और 2010 में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। फिर 2011 में मामला नवगठित एनआईए को सौंप दिया गया। एनआईए ने आगे की जांच की और 13 मई, 2016 को मामले में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया। एनआईए ने कहा कि वह एटीएस द्वारा लगाए गए कुछ आरोपों से सहमत नहीं है और अदालत से इस मामले में मकोका के तहत दर्ज मामलों को रद्द करने का अनुरोध किया। इसने यह भी स्पष्ट किया कि साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, श्याम साहू, प्रवीण टकलकी और रामजी कालसंग्रा पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। हालांकि, अदालत ने इसे खारिज कर दिया और आरोपियों के नाम हटाने से इनकार कर दिया, यह समझाते हुए कि एटीएस द्वारा एकत्र किए गए सबूतों से इनकार नहीं किया जा सकता। एनआईए के अनुरोध पर विशेष एनआईए अदालत ने 2017 में मामले से मकोका की धारा हटाने पर सहमति जताई थी। हालांकि, उसने स्पष्ट किया था कि साध्वी प्रज्ञा सिंह और छह अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला जारी रहेगा। उसके बाद दिसंबर 2018 में मुंबई सत्र न्यायालय में मामला शुरू हुआ। सरकार ने इस मामले में 100 से अधिक चश्मदीदों से पूछताछ की। इनमें से कुछ इसमें घायल हुए थे, जबकि कुछ ने अपने रिश्तेदारों को इसमें खो दिया था। इस मामले में कुल 323 गवाहों की जांच की गई। जिनमें से 34 को अदालत में अपनी गवाही बदलने के बाद फितूर घोषित किया गया था। यह मामला पिछले 17 वर्षों से लंबित है। इस फैसले से पहले मामले के कुल 30 गवाहों की मृत्यु हो चुकी है। कई फितूरों ने अदालत को बताया था कि एटीएस ने उनके बयान जबरन दर्ज किए थे. सितंबर 2023 में, अदालत ने दोनों पक्षों की

अंतिम दलीलें सुनना शुरू किया, तथा सभी गवाह साक्ष्य दर्ज किए गए। इस मामले में अविनाश रसाल और उनकी बेटी अनुश्री रसाल ने विशेष सरकारी वकील के तौर पर काम किया। सरकारी पक्ष का पूरा पक्ष प्रत्यक्षदर्शियों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। इसमें आरोपियों के कॉल डेटा रिकॉर्ड और उनकी आवाज़ के नमूने शामिल हैं। दूसरी ओर, आरोपियों की ओर से दलील दे रहे प्रशांत मग्गू और रंजीत सांगले ने दावा किया है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है और एटीएस ने उन्हें गलत तरीके से इसमें फंसाया है। बहरहाल इस बहुचर्चित मामले में अब मुंबई सत्र न्यायालय के विशेष न्यायाधीश एल.के.लाहोटी के फैसले पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं।

पहलगाम में मारे गए शुभम की पत्नी बोली– मेरे पति की हत्या का बदला पूरा

कानपुर (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और पहलगाम में विधवा हुईं भारत की बेटियों को न्याय दिलाने का काम किया है। पहलगाम हमले में कानपुर के 31 वर्षीय व्यवसायी शुभम द्विवेदी ने भी अपनी जान गंवाई थी। उनकी पत्नी ऐशान्या द्विवेदी की शादी को अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए थे, उन्होंने उस भयावह दिन को याद करते हुए अपनी पीड़ा को शब्दों में बयां किया। एक नई उम्मीद और गर्व के साथ, ऐशान्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। बता दें कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले ने न केवल देश को झकझोर दिया, बल्कि कई परिवारों की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। अब भारत ने इस हमले का बदला पाकिस्तान के अंदर घुसकर लिया है। ऐशान्या ने एक भावुक बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं पीएम मोदी को मेरे पति की मौत का बदला लेने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे पूरे परिवार को उन पर भरोसा था, और जिस तरह उन्होंने (पाकिस्तान को) जवाब दिया, उन्होंने हमारा भरोसा जीवित रखा। यह मेरे पति को सच्ची श्रद्धांजलि है। जहां कहीं भी मेरे पति होंगे, वे आज शांति में होंगे। भारत सरकार ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। इसके अलावा, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कौस्तुभ गणबोटे की पत्नी संगीता गणबोटे ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा, इन्होंने जो कार्रवाई की है वो एकदम सही किया है और ऑपरेशन का नाम सिंदूर देकर महिलाओं को सम्मान भी दिया है... पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कौस्तुभ गणबोटे के बेटे कुणाल गणबोटे ने कहा, हमने जो प्रतिशोध लिया है ये एकदम सही है और ये होना ही चाहिए था।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आदेश दिए

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को हिरासत में लेने का बुधवार को निर्देश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आपातकालीन सेवाओं में लगे सभी विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने और सभी जिला मुख्यालयों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के समर्थन में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी शामिल होंगे। रेड्डी ने अधिकारियों से

हैदराबाद में सभी वाणिज्य दूतावासों में सुरक्षा कड़ी करने और सभी आईटी कंपनियों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए भी कहा। पुलिस विभाग को 'हिस्ट्रीशीटर' और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को पाकिस्तान और बांग्लादेश के अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। कमान और नियंत्रण केंद्र में संचार प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। शांति और सुरक्षा को भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पूरे देश को भारतीय सेना का समर्थन करने का एक मजबूत संदेश दिया जाना चाहिए और राजनीतिक दलों को मुश्किल समय में संयम बनाए रखना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को आपातकालीन जरूरतों के लिए 'ब्लड बैंक' में रक्त और आपातकालीन दवा का स्टॉक करने के लिए कहा गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्रियों और अधिकारियों को सभी विदेश यात्राएं रद्द कर देनी चाहिए और उपलब्ध रहना चाहिए।

साथ ही कहा गया है कि फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोगों में चिंता और घबराहट पैदा करने वाली गलत सूचनाओं को रोकने के लिए एक विशेष सेल भी स्थापित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से उद्धव गुट को झटका, चुनाव निशान से जुड़ी याचिका पर जल्द सुनवाई से इंकार

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के नाम और चुनाव निशान तीर कमान को लेकर पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग ने शिवसेना नाम और निशान की लड़ाई में फैसला शिंदे गुट के पक्ष में दिया था। आयोग के इस फैसले को उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव गुट को बड़ा झटका देकर जल्द सुनवाई से इंकार कर दिया है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ठाकरे की अगुवाई वाले गुट ने भारतीय निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। जस्टिस सूर्यकांत और

जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ के सामने ठाकरे के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस पीठ ने महाराष्ट्र में 2023 से पहले की आरक्षण नीति के मुताबिक स्थानीय निकायों के चुनाव करने का आदेश दिया है।

सिब्बल ने निकाय चुनाव को लेकर आदेश का उल्लेख कर कहा कि इस मामले पर भी तत्काल सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने इसके पीछे दलील दी कि शिंदे गुट को पार्टी का चुनाव चिह्न मिला हुआ है। निर्वाचन आयोग के आदेश को हम लोगों ने चुनौती दे रखी है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कपिल सिब्बल से पूछा कि तुरंत सुनवाई की क्या जरूरत है? यह स्थानीय निकाय चुनाव हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें बताया गया था कि साल 2017 के बाद से ही नगरपालिका चुनाव नहीं हुए थे। आपके पास भी चुनाव चिह्न है, आप चुनाव में भाग लीजिए। इस पर सिब्बल ने कहा कि शिवसेना का मूल चुनाव निशान तीर कमान, लेकिन यह अब शिंदे गुट के पास है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव सुचारु रूप से होने दें। वैसे भी स्थानीय निकायों में ज्यादातर मतदाताओं के लिए चिन्ह का बहुत महत्व नहीं होता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर चीन ने जताया खेद, कहा- शांति और संयम जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पराक्रमी सैनिकों ने पाकिस्तान में सैकड़ों किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों पर ऐसी तबाही मचाई कि वे फिर पहलगाम जैसे हमले को अंजाम देने से पहले लाख बार सोचेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, हम भारत की आज तड़के की सैन्य कार्रवाई पर खेद जताते हैं और वर्तमान हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। हम भारत और पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वे शांति और स्थिरता को सर्वोपरि रखें, शांत रहें और अधिकतम संयम बरतें।

चीन की यह प्रतिक्रिया उस समय आई है जब भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान की सीमा के भीतर 100 किलोमीटर तक घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को राफेल विमानों और मिसाइलों से निशाना बनाया। पाकिस्तान भारत की इस एयर स्ट्राइक से कांप गया है। उधर, चीन लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का इच्छुक रहा है, लेकिन भारत इस प्रकार के मामलों को द्विपक्षीय विषय मानते हुए तीसरे पक्ष की भूमिका को खारिज करता रहा है।

भारत के हमले के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान की सेना ने दावा किया कि भारत के 6 मिसाइल हमलों में 8 लोगों की मौत और 35 घायल हुए हैं, जबकि 2 लोग लापता हैं। यह जानकारी चीन की सरकारी न्यूज़ एजेंसी ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से दी है। उधर, भारत ने पाकिस्तान आम नागरिकों को निशाना बनाने के तमाम दावों को झूठा करार दिया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि निशाना सिर्फ आतंवादी थे और हमलों का केंद्र आतंकी ठिकाने थे। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने मुरिदके में लश्कर-ए-तैयबा के ट्रेनिंग कैंप मरकज-ए-तैयबा और बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ जश-शुभानअल्लाह को भी प्रमुखता से निशाना बनाया।पाकिस्तान ने यह भी दावा किया कि उसने भारतीय वायुसेना के तीन फाइटर जेट मार गिराए हैं। हालांकि भारत की ओर से इस दावे की पुष्टि नहीं की गई है। भारतीय रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने इसे पाकिस्तान की घबराहट और प्रोपेगेंडा करार दिया है।

भारतीय सेना ने आधी रात की एयर स्ट्राइक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्क-ए-तैयबा के 9 ठिकानों को निशाना बनाया और कम से कम 90 आतंकियों को मार गिराया। भारत की इस एयर स्ट्राइक ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त कर दिया है। पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद चीन का रिएक्शन आया है। उसने भारत के इस ऐक्शन पर चिंता जताते हुए भारत और पाकिस्तान दोनों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

संपादकीय

ललित चौधरी (संपादक)

मॉक ड्रिल का संदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को कल 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए, के जवाब में कड़ा रुख अपनाए हुए है। हालांकि घटना के बाद से ही केंद्र सरकार ने एक के बाद एक कूटनीतिक और आर्थिक फैसले लेकर इस हमले को शह देने वाले पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। लेकिन देश के नागरिक इस हमले से इस कदर गुस्से में हैं कि उसी तरह मुंह तोड़ जवाब देना चाहते हैं जिस तरह पुलवामा और उरी में आतंकवादी घटनाओं के बाद दिया गया था। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर भारी दबाव है कि माकूल जवाब दे। जन भावना इस कदर आक्रोशित है कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनाओं के पाले में गेंद डालते हुए उन्हें जवाबी कार्रवाई करने की पूरी छूट दे दी थी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कई राज्यों को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मॉक ड्रिल आपातकालीन संकट या संकट की स्थिति में अपनी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को परखने का प्रभावी तरीका है। इससे सुरक्षा योजनाओं को परखने, उनकी कमी पहचानने और उन्हें सुधारने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल के जरिए दुनिया को साफ संदेश जाएगा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत पूरी तैयारी कर रहा है, जो सीमित या पूर्ण युद्ध के रूप में हो सकती है यानी भारत के कूटनीतिक कदम अब युद्ध की रणनीति की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेड वार्निंग सायरनों का संचालन होगा। नागरिकों को संभावित हमलों की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। महत्त्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमुफ्लाजिंग की जाएगी जो राष्ट्रीय संपत्तियों को सुरक्षा के लिए एक मान युद्धकालीन उपाय है। निकासी योजनाओं का अद्यतन और पूर्वाभ्यास होगा जिसके तहत किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तेजी से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का अभ्यास किया जाएगा।

चिंतन मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है।

भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

नृपेंद्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, दो प्राचीन सभ्यताओं और समकालीन वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल, उलझा हुआ और समय-समय पर संघर्षों से भरा रहा है। इन संबंधों में हालिया हलचल उस समय देखने को मिली जब भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 750 भारतीय तीर्थयात्री इस वर्ष जून-अगस्त के बीच दो समूहों में कैलाश मानसरोवर यात्रा कर सकेंगे। कैलाश मानसरोवर चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है, और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा कूटनीतिक महत्त्व अत्यधिक है। पांच वर्षों के अंतराल के बाद इस यात्रा का पुनः आरंभ होना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सूक्ष्म किंतु महत्त्वपूर्ण संकेत भी है।

पिछले पांच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियां अब भी खुली हैं। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दुनिया पूर्वी यूरोप में युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और वैश्विक व्यापार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण उत्पन्न हो रही अनिश्चितताओं से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में भारत और चीन जैसे दो बड़े, परमाणु संपन्न देशों के बीच किसी भी प्रकार की सद्भावना का संकेत न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। 2.8 अरब से अधिक जनसंख्या वाले इन दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी भारत-चीन संबंधों में विशेष स्थान रखती है। 1962 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे। इस युद्ध ने न केवल सीमाओं को विवादित कर दिया, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी दोनों देशों को एक-दूसरे से दूर कर दिया। ऐसी स्थिति में, 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा ऐतिहासिक मानी गई। वाजपेयी ने अपनी यात्रा के दौरान बीजिंग में भारतीयों के लिए कैलाश और मानसरोवर के धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों से 1981 में भारत और चीन के बीच आधिकारिक रूप से इस यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। चीन के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हुआंग हुआ ने 1981 में नई दिल्ली यात्रा के दौरान आश्वासन दिया कि चीन 'जिसे भारतीय कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील कहते हैं', वहां की यात्रा के लिए व्यवस्था करेगा। इस वक्तव्य ने दो देशों के बीच संवाद और सहयोग का एक नया द्वार खोला था। आज, जब यात्रा फिर से शुरू हो रही है, तो यह अतीत की स्मृतियों को ताजा करती है, और वर्तमान में संवाद के अवसरों को बल देती है।

रणनीतिक दृष्टि से भारत और चीन आज विभिन्न ध्रुवों पर खड़े दिखाई देते हैं। भारत जहां अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' समूह का सक्रिय सदस्य है, वहीं चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। परंतु कूटनीति की खूबी ही यही है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संवाद के सेतु बनाने का प्रयास करती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ इसी भावना का प्रतिबिंब है। हालांकि भविष्य की राह सरल नहीं है।

भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध स्थापित करने के लिए प्रतीकात्मक पहल पर्याप्त नहीं होंगी। पारस्परिक सम्मान, सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक मंचों पर संतुलित सहयोग की आवश्यकता होगी। दोनों देशों को समझना होगा कि एशिया और विश्व की स्थिरता में उनकी साझी जिम्मेदारी है। सहयोग का

रास्ता दोनों के हित में है। भारत के लिए आवश्यक है कि अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से कोई समझौता किए बिना संवाद के द्वार खुले रखे। चीन के लिए भी समझना महत्त्वपूर्ण है कि भारत को दबाने की रणनीति कारगर नहीं होगी, बल्कि सम्मानजनक सहयोग ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से प्रारंभ होना शुभ संकेत अवश्य है, लेकिन इसे संबंधों के समग्र सुधार का प्रतीक मान लेना जल्दबाजी होगी। यह यात्रा लंबी, कठिन और ऊबड़-खाबड़ राह की शुरू आत मात्र है। जिस प्रकार कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए को अनेक कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ता है, उसी प्रकार इस यात्रा के हर कदम पर सतर्कता, सहनशीलता और विवेक आवश्यक होगा।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की

किशन सनमुखदास भावनानीं

अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर-पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्सः पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नजर गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्सः पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने

पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क्या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कि एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा, इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकियों ने विनय को मार डाला। इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आतंकियों को दर्द दिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया। सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम के आतंकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंने किसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है।जब आतंकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आतंकियों को सबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अब किसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध के बराबर माना जाएग।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन सिंदूर बेहद सीमित सटीक, रणनीतिक व कानून के दायरे में होने की करें तो, यह कार्रवाई बेहद सीमित, रणनीतिक रही, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने आतंकियों के ठिकाने पर मिसाइले दाग कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है, इससे यह भी साफ हो गया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी करेगा। भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रही, कोई असैन्य ठिकाना या आम नागरिक इस कार्रवाई की चपेट में नहीं आया, भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकवाद के खिलाफ था, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला, हालांकि, इससे पाकिस्तान में घबराहट साफ देखी जा सकती है, कई आतंकी ठिकानों को खाली करा लिया गया है और सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

स्वामी/ मुद्रक/ प्रकाशक एवं संपादक ललित चौधरी ने वैकुंठ मीडिया प्रा0 लि0, 285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर, 02, अटौर, राजनगर एक्सटेंशन, पोस्ट-अटौर, गाजियाबाद (201003) उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया।
(RNI NO: UPHIN2023/88802) संपर्क सूत्र - 8527848454 / 6284195503 (नोट : समस्त वाद विवाद हेतु न्यायिक क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा।)

केरल में ईवी चार्जिंग पर नया नियम, रात में चार्ज करने पर होगा 30 फीसदी अधिक खर्च

नई दिल्ली।

केरल राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग को लेकर एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके तहत अब रात के समय चार्ज करने पर ईवी मालिकों को 30फीसदी अधिक भुगतान करना होगा। केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने यह बदलाव किया है, जिसका असर पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों पर पड़ेगा। इस नए नियम के मुताबिक ईवी चार्जिंग को दो टाइम जोन में बांटा गया है। सोलर पीरियड, जो सुबह 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होता है, में चार्जिंग करने पर 30फीसदी कम टैरिफ देना होगा। इसका मतलब है कि इस समय अगर चार्जिंग के लिए 100 रुपये खर्च होते थे, तो अब वही 70 रुपये में हो जाएगा। इसके विपरीत, नॉन-सोलर पीरियड यानी शाम 4 बजे से लेकर सुबह 9 बजे तक चार्जिंग करने पर 30फीसदी ज्यादा खर्च होगा। इससे यह तय हो गया है कि रात के समय चार्जिंग पर ईवी मालिकों को अधिक भुगतान करना पड़ेगा। यह नया टैरिफ पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों पर लागू होगा, जबकि घरेलू चार्जिंग पर इसका कोई असर नहीं होगा। फिलहाल यह नियम केरल में लागू किया गया है, लेकिन भविष्य में इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जा सकता है। चार्जिंग कंपनियों को भी अब एक नई चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यदि वे दिन के समय सोलर ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाते, तो उन्हें नुकसान हो सकता है, क्योंकि शाम के समय उपयोग की गई बिजली का क्रेडिट उन्हें नहीं मिलेगा। इस बदलाव से ईवी मालिकों को चार्जिंग की योजना बनाते समय अब समय का भी ध्यान रखना होगा। जो लोग दिन में

अपनी कार चार्ज कर सकते हैं, उनके लिए यह फायदा होगा, जबकि जो लोग रात में चार्ज करते थे, उन्हें अब अधिक खर्च करना होगा। सरकार का उद्देश्य ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना और ग्रिड पर दबाव कम करना है, जिससे यह बदलाव किया गया है।

एमआरएफ के शेयर खरीदने मची होड़, कंपनी ने किया हर शेयर पर 229 डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली।

टायर बनाने वाली कंपनी एमआरएफ लिमिटेड के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर 4.8 फीसदी चढ़कर 141505 रुपए के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। इसका पिछला बंद प्राइस 134964.40 रुपए था यानी बुधवार को इस शेयर में 6,540 रुपए से ज्यादा तेजी आई। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के शानदार नतीजे और अब का सबसे ज्यादा डिविडेंड देने का ऐलान है। कंपनी ने बुधवार को अपने मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए 229 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। 10 रुपए के फेस वैल्यू पर डिविडेंड 2290 फीसदी होगा। एमआरएफ लिमिटेड ने बुधवार को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 32.99 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। समीक्षाधीन तीन महीनों में लाभ पिछले साल की इसी अवधि के 370.52 करोड़ रुपए के मुकाबले 492.74 करोड़ रुपए रहा। टायर निर्माता का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 11.43 फीसदी बढ़कर 7,074.82 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 6,349.36 करोड़ रुपए था। कुल व्यय भी बढ़ा, जो साल-दर-साल 10.33 फीसदी बढ़कर 6,526.87 करोड़ हो गया। एमआरएफ की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से

पहले की आय 1,043 करोड़ रुपए रही। तिमाही के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन पिछले साल की समान अवधि से 70 आधार अंक बढ़कर 14.3 फीसदी से 15 फीसदी हो गया।

अब दो हिस्सों में बंट जाएगी टाटा मोटर्स, शेयरहोल्डर्स की मिली मंजूरी

एक कंपनी यात्री वाहन तो दूसरी कमर्शियल वाहनों का करेगी कारोबार

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स ने कहा कि उसके शेयरहोल्डर्स ने कंपनी को दो हिस्सों में बांटने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत अब टाटा मोटर्स दो अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों में बंट जाएगी। एक कंपनी यात्री वाहन का कारोबार संभालेगी तो दूसरी कमर्शियल वाहनों का। टाटा मोटर्स ने मार्च 2024 में ही इस बंटवारे का प्रस्ताव रखा था। कंपनी का कहना था कि इससे दोनों कारोबारों को अलग-अलग फोकस मिलेगा और ग्रोथ के बेहतर मौके बनेंगे।

यात्री वाहन वाले हिस्से में कंपनी की लग्ज़री ब्रांड जगुआर लैंड रोवर भी शामिल होगी, जो कंपनी की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाला ब्रांड है। इस प्रस्ताव को शेयरहोल्डर्स ने करीब सर्वसम्मति से मंजूरी दी है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक इस प्लान के पक्ष में 99.9995 फीसदी वोट पड़े। बंटवारे के बाद हर शेयरहोल्डर को दोनों नई कंपनियों में बराबर हिस्सेदारी मिलेगी।

इसका मतलब ये है कि अब टाटा मोटर्स के यात्री और कमर्शियल वाहन बिज़नेस अलग-अलग लिस्टेड कंपनियां बन जाएंगे, जिनके अपने अलग बोर्ड, रणनीति और फोकस होंगे। इससे इन दोनों क्षेत्रों में तेज़ी से विकास की संभावना बढ़ेगी। इस खबर के बाद मंगलवार को बाजार खुलते ही टाटा मोटर्स के शेयरों में 6 फीसदी का उछाल आया और वे 675 रुपए पर पहुंच गया। सुबह 10 बजे बीएसई पर कंपनी के शेयर 3.29 फीसदी की बढ़त के साथ 669.10 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे।

ट्रंप के आदेश का भारतीय दवा निर्यात पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देने और दवा संयंत्रों को मंजूरी देने में लगने वाले समय को कम करने के उद्देश्य से एक आदेश पारित किया हैं। भारत, अमेरिका में दवा का प्रमुख निर्यातक देश है। मीडिया रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों और विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप के इस कदम से भारतीय फार्मा निर्यातकों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। फार्मा कंपनियों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में विनिर्माण का विस्तार करने का फैसला रणनीतिक फैसला है और यह कुछ खास उत्पादों पर निर्भर करेगा। एक प्रमुख फार्मा कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने कहा कि ज्यादा मार्जिन वाले या उन उत्पादों के लिए जहां किसी भारतीय कंपनी ने सह-विकास और मार्केटिंग के लिए अमेरिकी भागीदार बनाया है, वह अमेरिका में विनिर्माण इकाई शुरू करने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में विनिर्माण इकाई खोलने का फैसला कंपनियों और उत्पादों के हिसाब से अलग हो सकता है। यह व्यवहार्यता पर निर्भर करेगा। उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल उनकी कंपनी की ऐसी कोई योजना नहीं है। फार्मा उद्योग के एक दिग्गज ने कहा कि अमेरिका का घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि हर देश रोजगार पैदा करना और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना चाहेगा। मुझे नहीं लगता कि इससे भारतीय निर्यातकों पर कोई असर पड़ेगा। हम व्यवहार्यता के आधार पर अमेरिका में उत्पादन स्थानांतरित करने का फैसला लेंगे। ट्रंप ने अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन को सुविधाएं ऑनलाइन होने से पहले शुरुआती सहायता प्रदान करने के लिए घरेलू विनिर्माताओं के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया है। विदेशी उत्पादकों के लिए स्वास्थ्य नियामक को एपीआई स्रोत रिपोर्टिंग में सुधार करने के लिए कहा गया है। आदेश में पर्यावरण संरक्षण एजेंसी को भी संयंत्रों के निर्माण में तेजी के लिए काम करने का निर्देश दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए आयुक्त ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के दौरान कहा कि नियामक का इरादा विदेशी संयंत्रों का औचक निरीक्षण शुरू करने का है। नियामक चाहता है कि औषधि विनिर्माण की निगरानी अमेरिका के नियमों के अनुरूप हो। ट्रंप के इस आदेश से भारतीय फार्मा कंपनियों के शेयरों पर असर पड़ा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर अरबिंदो फार्मा का शेयर 2.5 फीसदी गिर गया और निफ्टी फार्मा सूचकांक में 1.1 फीसदी की गिरावट आई।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ का असर सीमाओं पर नहीं बाजार पर भी पड़ा

डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली।

भारत का पाकिस्तान पर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का प्रभाव सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी नजर आया। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले के बाद डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई। सेना ने उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां से भारत में आतंकी हमलों की साजिशें रची जा रही थीं और इस कार्रवाई के बाद बाजार में डिफेंस सेक्टर को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

बाजार खुलते ही मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के शेयरों में 4.68 फीसदी की तेजी आई और इसके भाव 3107.55 रुपए तक पहुंच गए। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के स्टॉक्स में भी करीब 2 फीसदी की बढ़त हुई और शेयर 4589 तक चढ़ गया। पारस डिफेंस के शेयर करीब 5 फीसदी उछलकर 1419.85 रुपए तक पहुंच गया जबकि कोचीन शिपयार्ड में 3.70फीसदी और अस्त्र माइक्रोवेव में 2.63फीसदी की तेजी आई। भारत डायनामिक्स और डाटा पैटर्न्स जैसी अन्य डिफेंस कंपनियों ने भी मजबूती दिखाई, जिससे सेक्टर में व्यापक तेजी का माहौल रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी सैन्य कार्रवाइयों के बाद रक्षा क्षेत्र में निवेशकों का भरोसा बढ़ता है, जिससे इन कंपनियों की ऑर्डर बुक को मजबूती मिलती है। सरकार की डिफेंस उत्पादन को आत्मनिर्भर बनाने की नीति और रक्षा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते बजट के चलते इन कंपनियों की ग्रोथ संभावनाएं भी मजबूत नजर आती हैं। हालांकि शुरुआती तेजी के बाद बाजार में मुनाफावसूली का असर भी देखने को मिला। कुछ डिफेंस शेयरों ने दिन की शुरुआत हरे निशान से हुई, लेकिन 10¬15 बजे के बाद इनमें गिरावट आई और एचएएल जैसे प्रमुख स्टॉक्स लाल निशान पर चले गए। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के तहत तीनों सेनाओं वायुसेना, थलसेना

और नौसेना ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। हमले में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट स्थित आतंकी अड्डों को आधुनिक हथियारों और तकनीक के जरिए ध्वस्त कर दिया गया, जिससे दुश्मन की आतंकी नेटवर्क को बड़ा नुकसान हुआ।

‘निवेशक चार्टर से केवायसी एजेंसियां देंगी केआरए गतिविधियों की जानकारी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि उसने केवाईसी पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) के लिए एक ‘निवेशक चार्टर बनाया है, जिसमें निवेशकों को दी जाने वाली सेवाओं के साथ उनके अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र का भी विवरण है। निवेशक चार्टर केआरए की गतिविधियों के साथ निवेशकों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस चार्टर का उद्देश्य कई गतिविधियों के बारे में निवेशकों की जागरूकता को बढ़ाने में मदद करना है। निवेशक और ग्राहक को निवेशक सेवा अनुरोधों का लाभ उठाने के लिए केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों से निपटना होता है। केआरए निवेशकों या पंजीकृत मध्यस्थों को केवाईसी के पंजीकरण और संशोधन की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करती हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में पंजीकृत केआरए से निवेशक चार्टर को मौजूदा और नए निवेशकों के संज्ञान में लाने के लिए कहा है। उसने चार्टर को केआरए की वेबसाइट पर डालकर और कार्यालयों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने को कहा है। सेबी ने कहा है कि केवाईसी पंजीकरण एजेंसियां पंजीकृत मध्यस्थों से प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के केवाईसी रिकॉर्ड के पंजीकरण और संशोधन की सुविधा देती हैं, जिससे निवेशक की पहचान का सत्यापन और मान्यता तय होती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 84.38 पर बंद हुआ। सुबह रुपया कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ दिखा। ये आठ पैसे की गिरावट के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर आ गया। डॉलर सूचकांक में तेजी और एशियाई मुद्राओं में गिरावट का दबाव स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में समग्र गिरावट और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये की जोड़ी को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.28 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 84.26 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा और फिर 84.38 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.30 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.79 पर रहा।

रॉयल एनफील्ड ने स्क्रैम 440 की बिक्री और बुकिंग अस्थायी रूप से रोकी

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की स्क्रैम 440 बाइक को लेकर कंपनी ने बड़ा कदम उठाया है। इंजन में आ रही तकनीकी समस्या के कारण कंपनी ने इसकी बुकिंग और बिक्री को अस्थायी रूप से रोक लगा दिया है। यह बाइक जनवरी 2025 में लॉन्च की गई थी और स्क्रैम 411 की उत्तराधिकारी मानी जा रही थी। ग्राहकों की शिकायतों के अनुसार, बाइक का इंजन कुछ समय तक चलने के बाद स्टार्ट नहीं होता, खासकर जब ट्रैफिक में रुकने के बाद इसे दोबारा चालू किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह समस्या बाइक के इंजन में मौजूद एक हिस्से ‘वुड्रफ कुंजी’ से जुड़ी है, जो मैग्नेटो के भीतर होता है। हालांकि कंपनी का मानना है कि यह समस्या सभी बाइक्स में नहीं, बल्कि सिर्फ करीब 2त्न यूनिट्स में देखने को मिली है। इस तकनीकी खामी के चलते राइडर्स के सफर के दौरान फंसने का खतरा बढ़ गया है। कंपनी अब इस समस्या को दूर करने के लिए रिप्लेसमेंट पार्ट्स डीलरशिप्स को भेज रही है और ग्राहकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर रही है ताकि सर्विस अपॉइंटमेंट बुक कर उन्हें बाइक की मरम्मत की सुविधा दी जा सके। मरम्मत की प्रक्रिया में मैग्नेटो और साइड कवर को हटाना पड़ेगा, जिसमें लगभग 1-2 घंटे का समय लग सकता है। स्क्रैम 440 में 440ष्ष का रिफाइंड इंजन है और यह 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आती है, जो हाईवे पर बेहतरीन क्रूज़िंग अनुभव देती है।

भारत में बनी 6 कारें विदशों में मचा रहीं धूम, कर रहीं जमकर कमाई

नई दिल्ली।

भारत में बने 6 कार मॉडल घरेलू बाजार की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ज्यादा धूम मचा रहे हैं। हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि इन कारों में होंडा की सिटी और एलिवेट, निसान की सनी और मैग्नाइट, हुंडई की वर्ना और जीप की मेरिडियन शामिल हैं। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के मुताबिक यह परिवर्तन भारत में इन मॉडलों की मांग में गिरावट और कंपनियों द्वारा वैश्विक बाजारों में इनकी क्षमता को पहचानने और वहां अपना ध्यान बढ़ाने के कारण है। होंडा एलिवेट को भारत में सितंबर 2023 में लॉन्च किया था, लेकिन इसकी घरेलू बिक्री सुस्त रही। इसके बावजूद वित्त वर्ष 2025 में एलिवेट की 45,167 इकाइयों का निर्यात किया गया, जबकि घरेलू बिक्री सिर्फ 22,321 इकाइयों तक सीमित रही। भारत में सेडान की मांग में गिरावट के कारण वर्ना को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में इसकी लोकप्रियता ने हुंडई को बड़ा निर्यात आधार प्रदान किया है। वित्त वर्ष 2025 में वर्ना की 50 हजार से ज्यादा इकाइयां निर्यात की गईं। इस तरह निसान की मैग्नाइट और जीप मेरिडियन ने भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनियों ने उत्पादन बनाए रखने और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुबंधों को पूरा करने के लिए निर्यात को अपनी रणनीति का हिस्सा बना लिया है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई।

भारतीय सेना की पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक से उत्साहित शेयर बाजार भी बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ जबकि सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही वह हरे निशान पर आ गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 105.71 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 80,746.78 पर बंद हुआ। ये अपने इंट्रा-डे के निचले स्तर 79,937.48 से 809.3 अंक करीब 1.01 फीसदी ऊपर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में यह 34.80 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी बढ़कर 24,414.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, अदानी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। ये 5.05 फीसदी की बढ़त के साथ ही बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, सन फार्मा, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज़्यादा नीचे आये । इनमें 0.77 से 3.53 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो इसमें बुधवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज के फ्यूचर्स लगभग 0.6 फीसदी उछले थे। अमेरिका और चीन ने इस सप्ताह के अंत में स्विट्ज़रलैंड में व्यापार वार्ता आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। इससे एशियाई बाजारों में तेजी आई। अंत में टोक्यो का निक्केई 225 इंडेक्स 0.1 फीसदी नीचे आकर 36,779.66 पर बंद हुआ। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी की बढ़त के साथ ही 22,691.88 पर बंद

हुआ। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.8 फीसदी बढ़कर 3,342.67 पर पहुंचा। वहीं टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स 40 अंक करीब 0.05 फीसदी नीचे आकर 80,600 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.35 अंक टूटकर 24,375 पर खुला। वहीं मिडकैप शेयरों में तेजी रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 136 अंक करीब 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 53,572 पर था। स्मॉलकैप इंडेक्स 69 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ 16,125 पर था। ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और पीएसई के शेयर सबसे ज्यादा उछले। वहीं आईटी, फार्मा, एफएमसीजी इंडेक्स में गिरावट रही। बाजार में 539 शेयर लाभ में जबकि 1,122 शेयर नुकसान में रहे। टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एचयूएल, टीसीएस, टाइटन, नेस्ले और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये।

यूके से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में आई तेजी

नई दिल्ली।

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। एसपी अपैरल्स, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, अरविंद लिमिटेड, केपीआर मिल और वेलस्पन लिविंग के शेयर बुधवार को 20 फीसदी तक उछले। भारत और युनाइटेड किंगडम ने मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप दे दिया है, इसके बाद टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में तेजी आ गई। एसपी अपैरल्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को 20 फीसदी उछलकर 876.10 रुपए पर पहुंच गए। भारत-यूके के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत टेक्सटाइल्स और गारमेंट्स पर 8-12 फीसदी यूके इंपोर्ट ड्यूटी को हटा दिया जाएगा। इंपोर्ट ड्यूटी खत्म होने से बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले भारत का एक्सपोर्ट और प्रतिस्पर्धी होगा। इसे गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, केपीआर मिल, अरविंद लिमिटेड, एसपी अपैरल्स और वेलस्पन लिविंग जैसी कंपनियों के लिए पॉजिटिव रूप में देखा जा रहा है। समीक्षा के मुताबिक यह डील भारतीय कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 तक युनाइटेड किंगडम से अपने रेवेन्यू कंट्रीब्यूशंस को दोगुना करने में मदद कर सकती है। गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को बीएसई में 17 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1013 रुपए पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर मंगलवार को 852.65 रुपए पर बंद हुए थे। वेलस्पन लिविंग लिमिटेड के शेयर बुधवार को 13 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 138.65 रुपए पर जा पहुंचे। के पी आर मिल लिमिटेड

के शेयर बुधवार को 8 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 1122.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। वहीं, अरविंद लिमिटेड के शेयरों में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली और कंपनी के शेयर 387 रुपए पर पहुंचे। वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर बुधवार को 488 पर पहुंच गए।

‘निवेशक चार्टर से केवायसी एजेंसियां देंगी केआरए गतिविधियों की जानकारी

नई दिल्ली।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि उसने केवाईसी पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) के लिए एक ‘निवेशक चार्टर बनाया है, जिसमें निवेशकों को दी जाने वाली सेवाओं के साथ उनके अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र का भी विवरण है। निवेशक चार्टर केआरए की गतिविधियों के साथ निवेशकों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस चार्टर का उद्देश्य कई गतिविधियों के बारे में निवेशकों की जागरूकता को बढ़ाने में मदद करना है। निवेशक और ग्राहक को निवेशक सेवा अनुरोधों का लाभ उठाने के लिए केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों से निपटना होता है। केआरए निवेशकों या पंजीकृत मध्यस्थों को केवाईसी के पंजीकरण और संशोधन की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करती हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में पंजीकृत केआरए से निवेशक चार्टर को मौजूदा और नए निवेशकों के संज्ञान में लाने के लिए कहा है। उसने चार्टर को केआरए की वेबसाइट पर डालकर और कार्यालयों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने को कहा है। सेबी ने कहा है कि केवाईसी पंजीकरण एजेंसियां पंजीकृत मध्यस्थों से प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के केवाईसी रिकॉर्ड के पंजीकरण और संशोधन की सुविधा देती हैं, जिससे निवेशक की पहचान का सत्यापन और मान्यता तय होती है।

BharatkaBadaltaShasan@Gmail.com
भारत का बदलता शासन
follow us -@Bharatkbs

INDIAN PHYSIOTHERAPY & OSTEORHAB CENTRE
DR. RAJENDRA YADAV
BPT, MPT (NEURO)
Certified International Sports and Manual Therepy
Cont.: 8218970094
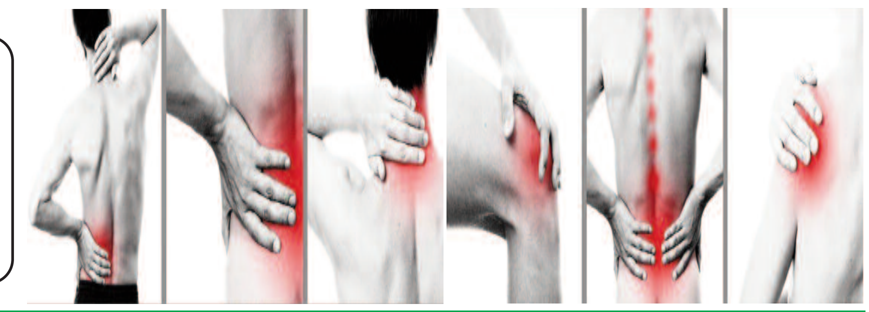
3/3, NEW CANTT ROAD, SALAWALA BRIDGE, HATHIBARKALA, DEHRADUN

ऑपरेशन सिंदूर: भारत ने लिया पहलगाम हमले का बदला

गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी में मना जश्न

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए मासूमों की मौत का बदला भारत ने पाकिस्तान में घुसकर लिया है। भारतीय वायुसेना के बहादुर लड़ाकों ने पाकिस्तान और पीओके में घुसकर आतंकियों के नौ लॉन्चिंग पैड को ध्वस्त कर दिया है। इस हमले के बाद राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी में ढोल बजाकर और मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया। आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्ष रश्मि चौधरी के नेतृत्व में निवासियों ने वंदे मातरम और जय हिंद के नारे लगाए। बुधवार की सुबह कुछ ऐसा हुआ जिसका पाकिस्तान को शायद इल्म ही न हो। भारतीय लड़ाकू विमानो ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके, बहावलपुर तथा पीओके के मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर तथा बिंबर पर मिसाइल गिराई जिसमें आतंकी अजहर मसूद के परिवार के 14 लोगों का काम तमाम हो गया। मोदी सरकार ने 7 मई का ब्लैकआउट घोषित किया था। जिसके तहत हाई अलर्ट भी घोषित था। इस हमले के बाद भारत की तरफ से जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट हवाई अड्डे 10 मई सुबह साढ़े 5 बजे तक बंद कर दिए हैं। इस हमले के बाद जश्न मनाते हुए आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्षा रश्मि चौधरी ने दो लाइनों के माध्यम से कहा कि- सिंदूर को बारूद बनाकर आतंकों की खान में, रोक के पानी आग लगा दी पापी पाकिस्तान में।

रश्मि चौधरी ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने कहा था कि मोदी को बता देना, उन आतंकियों और उन्हें पालने वाले पाकिस्तान को मोदी ने उन्हीं की भाषा मे बता दिया है। रश्मि चौधरी ने कहा कि देश इस समय एक है और पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देने की कार्यवाही से बेहद खुश है। निवासी गौरव बंसल ने कहा कि वो समय अब नहीं रह जब कोई भी भारत को आँख दिखा देता था। अब भारत किसी की गीदड़ धमकियों से डरता नहीं है। जो जिस भाषा मे बात करेगा उसे उसी भाषा मे जवाब देने की क्षमता भारत रखता है। इस मौके पर रश्मि चौधरी, प्रीति चौधरी, अनुजा बंसल, अंशिका चौधरी, कीर्ति पहावा, मोना ढींगरा, सन्नी ढींगरा, दिनेश कुमार सिंह, मालती सिंह, सुमन गर्ग, विशाल, अरविंद सिंघल व अन्य निवासी मौजूद रहे।

समाचार व विज्ञापन प्रकाशित कराने एवं हमसे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - 8527848454

श्री गुरुनानक कन्या इंटर कालेज में बजा खतरे का सायरन

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। लोहिया नगर स्थित श्री गुरुनानक कन्या आइंटर कालेज में आज युद्ध के मद्देनजर सिविल डिफेंस की ओर से खतरे का सायरन बजाकर बचाव की जानकारी दी गई। देश में पाकिस्तान के साथ यूद्ध का आगाज हो चुका है। ऐसी स्थिति में यदि दुश्मन देश के अन्दर हमला करता है तो हमले के दौरान आम नागरिकों को कैसे हो बचाया जाए, इसके लिए स्कूल की छात्राओं को बचाव की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर सिविल डिफेंस की ओर से स्टाफ आफिसर संध्या त्यागी के नेतृत्व में दर्जनों वार्डनों ने प्रदर्शन कर छात्राओं को बताया कि दुश्मन देश द्वारा यदि हमले को आशंका होगी तो चेतावनी के लिए सायरन बजाया जाएगा तथा लाल झण्डे के द्वारा सतर्क रहने की चेतावनी दी जाएगी। ऐसी स्थिति में जो जहां भी हो वहां लेट जाएं, सम्भव हो तो मेज कुर्सी पे नीचे शरण ले। खतरा टलने पर पुनः सायरन बजाकर कर सूचना दी जाएगी और हरी झंडी दिखाई जाएगी। कालेज में प्रधानाचार्य अनीता पवार के नेतृत्व में एनसीपी की ओर से एएन ओ पूनम परियार के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स तथा अन्य छात्राओं ने भाग लिया। अंकित त्यागी ने कार्यक्रम का संचालन किया। सिविल डिफेंस की ओर से पदाधिकारी राजकुमार तोमर, रेखा अग्रवाल, राकेश गुसाईं, प्रदीप बाली , संजय खन्ना, शिवकुमार शर्मा, गगन अरोड़ा, विपिन कुमार, जितेंद्र कुमार, पल्लवी शर्मा, श्रीवा अग्रवाल, रमा गुप्ता, मनोज कुमार, नीतू गर्ग, निखिल, मोहन शर्मा, पंकज मल्होत्रा, प्रशांत पाल, अभिषेक शर्मा आदि ने सहयोग किया। कालेज की ओर से सह- प्रधानाचार्य कमलजीत संधू, पीटीआई शिक्षिका मुस्कान, सरोज गुरप्रीत, मोनिका पालिवाल आदि ने सहयोग किया। इस मौके पर नेहरू युवा केन्द्र के डिप्टी डायरेक्टर देवेन्द्र कुमार, एसडीआर एफ का प्रशिक्षण ले चुके तालिब, सद्दाम हुसैन, लाखन आदि मौजूद रहे।

कराटे वेलफेयर सोसाइटी ने छात्रों को सिखाए आत्मरक्षा के दावपेच

भारत का बदलता शासन follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। आज जहां युद्ध के खतरे को लेकर देश भर में नागरिकों को मार्कड्रिल के माध्यम से आपातकाल में खुद की सुरक्षा करना सिखाया जा रहा है। उस समय में कराटे वेलफेयर सोसाइटी देश और सेना के साथ मजबूती से खड़ी है देश के जवान बॉडर्र पर अपना कार्य कर रहे है वहीं देश के अंदर कराटे वेलफेयर सोसाइटी जैसी संस्थाओं ने अपना कार्य भी शुरू कर दिया है। संस्था के अध्यक्ष विजय कौशिक एवं संरक्षक बी एल बत्रा ने बताया कि संस्था ने आज अपने कोचों के साथ शहर के कई स्कूलों में छात्रों को आत्मरक्षा के दावपेच तो सिखाए ही साथ ही युद्ध होने की स्थिति में कैसे खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते है कि जानकारी दी। इस कड़ी में लाल कुआ स्थित ईश्वर चंद इंटर कॉलेज एवं अमनदीप इंटरनेशनल कॉलेज में सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ईश्वर चंद्र इंटर कॉलेज के मैनेजर पवन त्यागी एवं अमनदीप इंटरनेशनल कॉलेज के डायरेक्टर संदीप त्यागी जी ने संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग किया और सभी छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उत्साहित किया ट्रैनिंग देने वालों में संस्था के महासचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक राजीव मुंडेलवाल, ज्वाइंट सेक्टरी तुषार ठाकुर एवं प्रगति सिंह सिसोदिया मुख्य रूप से मौजूद थे। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा समय समय पर महिलाओं के लिए आत्मरक्षा शिविर लगाते रहे हैं। जिनके तत्वाधान में अब तक हजारों लड़कियों एवं महिलाओं को आत्मरक्षा के दावपेच सिखाए जा चुके हैं।

भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) ने यमुना प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन किया

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरयू शर्मा के आदेशानुसार एवम युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयवीर कुमार व युवा राष्ट्रीय सचिव अंकित नागर के नेतृत्व में किसान साथियों ने पूर्व में दिए आश्वासन को पूरा ना किए जाने पर यमुना प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन किया गया इस बीच यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह जी ने तुरंत आश्वासन दिया कि जल्द किसान साथियों की परेशानी को हल किया जाएगा। इसी मौके पर पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश एमएस भाटी, प्रदेश संगठन मंत्री पवन यादव, प्रदेश महासचिव नीरज शर्मा, प्रदेश महासचिव रोहतास नागर, युवा प्रदेश अध्यक्ष अक्षित शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष विक्रांत भाटी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता भाटी, जिला अध्यक्ष बुलंदशहर परविंदर भाटी, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु वशिष्ट, छात्र सभा अध्यक्ष गाजियाबाद ऋषभ यादव , जिला महासचिव विनोद भाटी, युवा जिला अध्यक्ष हापुड़ अमन मलिक, जिला उपाध्यक्ष पुलकित, आशु यादव, युसूफ सैफी, पंकज उपाध्याय, सागर गौतम, अरुण बघेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

Om Multi Speciality Hospital & Ayush Center
24 HOUR EMERGENCY
AMBULANCE FACILITY AVAILBLE
Consultation fees 200/- Only
OPD Service Availble
(from 10.00 am to 1.00 pm & 6.00 pm to 10.00 pm)
Dental OPD (Timing- 10.00 am to 3.00 pm)
24/7 Emergency Services
Khasra No. 262/2, Garhi Market, 5 no. bhatta Road,
Near RKGIT College, Ghaziabad (U.P.) Ph. 8595362792, 9990205544

PREM-DHARAM
HOSPITAL & DIAGNOSTICS
10 D - 180, Near Kishan Chowk, Sector - 10, Vasundhara, Ghaziabad, U.P. (201012) Ph.: 0120-4127778
24 HOUR EMERGENCY
AC AMBULANCE
CASHLESS FACILITY AVAILBLE

Free home delivery
since 1994
M: 9212152831
UPASNA PHARMACY™
Your One Stop Meds Spet
(FORMERLY KNOWN AS GUPTA MEDICAL STORE)
ALLOPHATIC | HOMOEOPATHIC | AYURVEDIC | VETERINARY | NUTRITION | COSMETICS

Pure Vegetarian
SINCE:1999
Free Home Delivery
अपनी रसोई®
FAMILY RESTAURENT
SPL. ARRANGEMENT FOR INDOOR, OUTDOOR PARTY
LUNCH DINNER THALI CHINES
We Prepare Our Food with 100 % Pure Panner, Desi Ghee, Amul Butter, Amul Cream, Ashirwaad Atta
HYGIENE QUALITY QUANTINTY
8929515157, 8929515156
Kh. No. 1056 Rajnagar extension, Ghaziabad, UP 201001 (Near Signature Home Society)

SBN PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. (NEW DELHI)
Uttranchal Nagar, Nandgram/ Rawali Kalan Ghaziabad
"एस०बी०एन० पब्लिक स्कूल पुष्पराज एक आशा ट्रस्ट के तहत
अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर
Monthly Fees- Nur., LKG, UKG 500/-
1st. & 2nd. 600/-
3rd, 4th, 5th 700/-
6th, 7th, 8th 800/-
9th 1,000/-
11th 1,200/-
School Code 60195
Affiliation No. 2130435
Er. Tarun Rawat
(Director SBN Group)
कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार
ADMISSION OPEN
(Session 2025-26)
Mob.: 9350183824 / 9871431939

राजनगर एक्सटेंशन का एक मात्र मल्टीस्पेशिलिटी आधुनिक हॉस्पिटल
रामानुज अस्पताल
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL
(50 बैड का मल्टीस्पेशलिटी आधुनिक अस्पताल)
(NABH PRE ENTRY ACCREDITED)
EMERGENCY 24 hr SERVICES
24 घंटे इमरजेंसी, एम्बुलेन्स और फार्मेसी की सुविधा
गरीब मरीजों के लिये फ्री इलाज की सुविधा (आयुष्मान भारत योजना के अर्न्तगत)
- OPD / IPD / DAYCARE
- ICU (Ventilator)
- NICU
- General/Private Ward
- OT (Modular)
- X-RAY (HINDRAYS/FUJIFILM)
- ULTRASOUND (GE LOGIQ.V5 EXPERT)
- ECG (GE)
- C-ARM (ALLENGER)
- ECHO/COLOUR DOPPLER
- PATHOLOGY LAB
CAPF / CGHS / ALL TPA AVAILABLE
EMERGENCY CALL
9716833714
9716833715
9716833716
RAMANUUJ HOSPITAL
158, Rajnagar Extension
near Agarwal heights,
kdp gol chakkar,Ghaziabad (U.P.)